



डायमण्ड
कॉमिक्स

D-484 6.00

महाबली शाका और अग्नि भाजव की लड़ाई



M. S. KHAN
4, No. 813, Dhobi Vada,
Kashmere Gate, Delhi
Mob: 925027395

जीवन में भर लो रंग डायमण्ड कामिक्स के संग!

अंकुर बाल बुक क्लब के सदस्य बनें
और अपने जीवन में खुशियों और मनोरंजन की बहार लाएं.

मिलें, क्लब के अन्य सदस्यों से!

चाचा चौधरी, लम्बू मोटू, जाब पिंगी बिल्लू, ताऊ जी, फौलादी सिंह, चन्नी चाची, दाबू, महाबली शाका, चाचा भतीजा, राजन इकबाल, जेम्स बाड, फैंटम, मैन्डरक... और कई अन्य मशहूर पात्र।

इन सब पात्रों से मिलाने का श्रेय 'डायमण्ड कामिक्स' को है जो देश में सर्वाधिक बिकने वाले कामिक्स हैं और हर महीने अंग्रेजी, हिन्दी, गुजराती, बंगाली और मराठी भाषाओं में प्रकाशित किए जाते हैं।

और कितना आसान है अपने इन प्रिय पात्रों से मिलना!

आप एक बार 'अंकुर बाल बुक क्लब' के सदस्य बन जाइए फिर न तो बार-बार आपको अपने मम्मी पापा से डायमण्ड कामिक्स लाने के लिए कहना पड़ेगा और न ही बार-बार अपने पुस्तक विक्रेता को याद दिलाना पड़ेगा, तब आपको यह चिन्ता भी नहीं रह जाएगी कि कहीं बुक-स्टाल पर डायमण्ड कामिक्स समाप्त न हो जाएं। क्लब का सदस्य बन जाने पर आपको विशेष लाभ यह रहेगा कि आपको आगामी कामिक्स की सूचना भी यथा समय मिलती रहेगी।

मुफ्त उपहार!

'अंकुर बाल बुक क्लब' के सदस्य बनने पर आपको पहली वी.पी. में 'चिल्ड्रन जोक्स' नामक पुस्तक उपहार स्वरूप मुफ्त भेजी जाएगी तथा आपके जन्मदिन पर एक विशेष उपहार भी मुफ्त भेजा जाएगा। समय-समय पर अन्य उपहार भी आपको मिलते रहेंगे।

डाक खर्च माफ!

'अंकुर बाल बुक क्लब' के सदस्य बन जाने पर आपको हर महीने वी.पी. से घर बैठे डायमण्ड कामिक्स प्राप्त होते रहेंगे। कहीं आने-जाने की भी जरूरत नहीं। जो डाकिया आपका कामिक्स पेकट लेकर आएगा, आपने केवल उसे कामिक्स का मूल्य ही देना है। डाक खर्च भी आपको नहीं देना पड़ेगा।

कितना सुगम है 'अंकुर बाल बुक क्लब' का सदस्य बनना!

आप केवल नीचे दिये गए कूपन को भरकर और सदस्यता शुल्क के दस रुपये डाक टिकट या मनीआर्डर के रूप में भेज दें।

सदस्य बनने पर हर महीने आपको 3/- रु. की बचत वी.पी. पर और 7/- रु. की बचत डाक खर्च पर होगी। यानी आपको 10/- रु. की बचत और 12 वी.पी. लगातार छुड़वाने पर आपके 12/- रु. मूल्य की एक डाइजेस्ट उपहार स्वरूप मुफ्त मिलेगी।

अपने मित्रों को सदस्य बनाएं, इनाम पाएं!

यदि आप अपने चार मित्रों के नाम पते व सदस्य शुल्क (10/- रु. प्रत्येक सदस्य) भिजवायेंगे तो आपको उपहार स्वरूप 12/- की एक डाइजेस्ट मुफ्त दी जाएगी।

हाँ! मैं "अंकुर बाल बुक क्लब" का सदस्य बनना चाहता/चाहती हूँ और आपके द्वारा दी गई सुविधाओं को प्राप्त करना चाहता/चाहती हूँ। मैंने नियमों की अच्छी तरह पढ़ लिया है। मैं हर माह वी.पी. छुड़ाने का संकल्प करता/करती हूँ।

नाम _____
पता _____

डाकघर _____ जिला _____ पिनकोड _____

सदस्यता शुल्क 10 - रु. डाक टिकट मनीआर्डर से भेज रहा/रही हूँ।

मेरा जन्मदिन _____

नोट : सदस्यता शुल्क प्राप्त होने पर ही सदस्य बनाया जायेगा।

पजल पैक

चार पुस्तकों का दूसरा सैट

(आपके मस्तिष्क को विकसित और बुद्धि को पैना करने की नियमित कोशिश में। दिलचस्प और उपयोगी सामग्री से लबालब भरा अपनी तरह का एकदम अनुपम संग्रह)

अब प्रस्तुत है, प्रथम सैट की शानदार सफलता के बाद पजल पैक का दूसरा सैट (नं. 5 से 8)

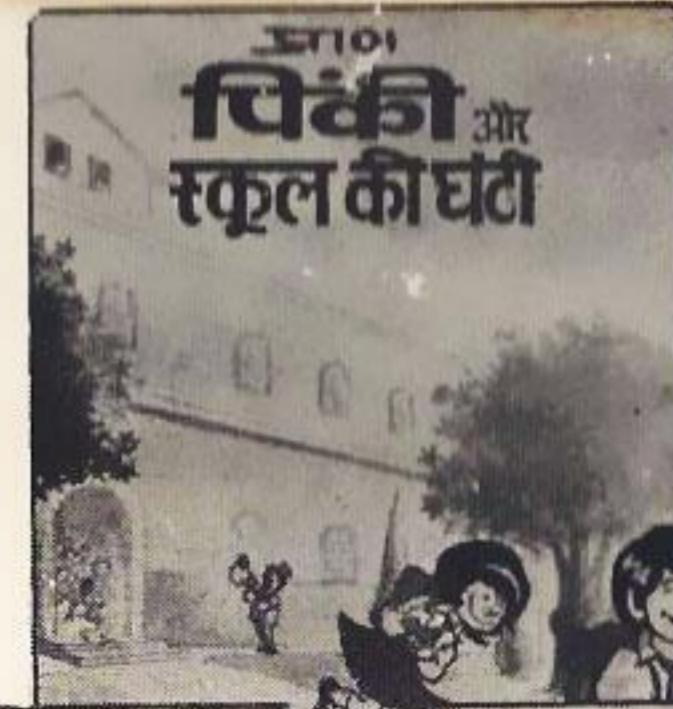
जल्दी कीजिए! आज ही अपने स्थानीय पुस्तक विक्रेता से प्राप्त करें या हमें लिखें। प्रत्येक का मूल्य : रु 5/-



डायमण्ड कामिक्स

पेश करते हैं

नये डायमण्ड कामिक्स



प्रतीक्षा कीजिए!

अप्रैल कामिक्स के साथ एक नई उपहार योजना की

डायमण्ड कामिक्स प्रा. लि., 2715, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002

महाबली शाका और अविनमानवों की त

संपादक: तुलशन राय

कला: सुरेन्द्र सुमन, रमाकांत

कहानी: गंगा प्रसाद शर्मा



वर्षों से सुप्त पड़े हुए एक ऊँचे ज्वालामुखी पर्वत के दहाने की ओर, जिसके क्रेटर (मुख) का व्यास लगभग एक किलोमीटर की गोलाई लिये हुआ था, छे विचित्र मानव कुछ स्त्रियों को बन्दी बना कर ले जा रहे थे। स्त्रियों की संख्या बारह थी और उन्हें दो-दो के साथस्सी से बांधा गया था। स्त्रियां निर्विरोध उनके साथ जा रही थीं; शायद उनकी विरोध करने की शक्ति समाप्त हो चुकी थी।

89/22/11



ये स्त्रियां वही थीं, जिन्हें कोसिमा के अन्वेषण केंद्र से अपहृत किया गया था। सबसे पीछे चलने वाला गुप उन लड़कियों का था, जिन्हें कोसिमा के आदिवासी क्षेत्र से उड़ाया गया था। विचित्र से लगाने वाले वे व्यक्ति वही अविन मानव थे जिन्हें स्थानीय भाषा में काबरु कहकर सम्बोधित किया जाता था।

H.No. 813, Dhobi Vada,
Kashmere Gate, Delhi-6

Mobile: 9250627395

सुप्त ज्वालामुखी
पर्वत अब नजर
आने लगा था।
अतः दूर से कई
दिन से अपहृत
स्त्रियों के भार से
बोझिल अग्नि मानवों
के चेहरे चमक उठे।

इस बार
तो हम काफी
बड़ा हाथ मार
कर लाये हैं।
इस बार हिस्सा
बड़ा मिलेगा।

उम्मीद
तो है। लेकिन
उस खसट पुजारी
और मम्बा से
कुछ बचे
तब न।

मैं तो इस
बार अपना हिस्सा
लेने पर अड़ जाऊंगा.
चाहे इसके लिये
मुझे कड़ा प्रतिरोध
ही क्यों न करना
पड़े।

ऐसा तभी तक कह
रहे हो जब तक पुजारी
और मम्बा के रूबरू
नहीं पहुंचते। उनके
सामने तो बोलते भी
डरते हो।

तुम देख
लेना, इस बार
मैं चूकूंगा नहीं
चाहे कुछ भी
हो जाय।

और यदि
तुम अड़ गाय तो
मैं भी अपना हिस्सा
लेकर ही मानूंगा।

लगभग ऐसी ही बातें दूसरे अग्नि
मानवों के दिल में धुमड़ रही थीं।
पुजारी तथा अग्नि मानवों के सरदार
मम्बा के प्रति सभी के मन में
विद्रोह सुलगा रहा था, और वे शांत
हृदय से अपनी मंजिल की ओर
बढ़ रहे थे।

उधर मौत के बाड़े में घोर अंधकार में पड़े शाका और उडालो कुछ ऐसी बातें कर रहे थे।

उडालो !
आखिर इन बौनों ने हमें धोरवा दे ही दिया।

हां महाबली !
मुझे बंडा सरदार से ऐसी उम्मीद न थी। मैं सोच रहा था कि वह मेरी धमकी से डर कर आग्नि मन्त्रों का पता हमें बता देगा।



पता तो उसने बता ही दिया ... यह दूसरी बात है कि क्रोध में बक गया।

अरे हां ! मैं तो मूल ही गया था। फिर अब देर किस बात की है, अपनी रिहाई के प्रयास शुरू करें ?



उन्होंने जिस ढंग से हमें बांधा है, वह बंधन मेरे लिये मामूली है।

तब फिर पहले अपने बंधन तोड़ डालो। बाद में मुझे भी बंधन मुक्त कर देना।

शाका ने अपने बंधन उमेठे-चमड़ी की रस्सियों किसी कच्चे घागे की तरह टूट कर नीचे जा गिरीं।

लो अब हम आजाद हो गए।

अब दरवाजे पर जोर आजमाएं। बाद में उस घूर्त बंडा की खबर लेंगे।

अभी लो।



दोनों बाड़े के दरवाजे पर पहुंचे। शाका ने एक जबरदस्त ठोकर बाड़े के दरवाजे को लगाई।

बाड़े का दरवाजा टूट कर आगे गिरा, और साथ ही दो बंडा सैनिक चीखते हुए आगे भागे।

भागो, कैदी आजाद हो गए।

जल्दी करो, यदि ये आबादी में पहुंच गए तो आतंक फैला देंगे।



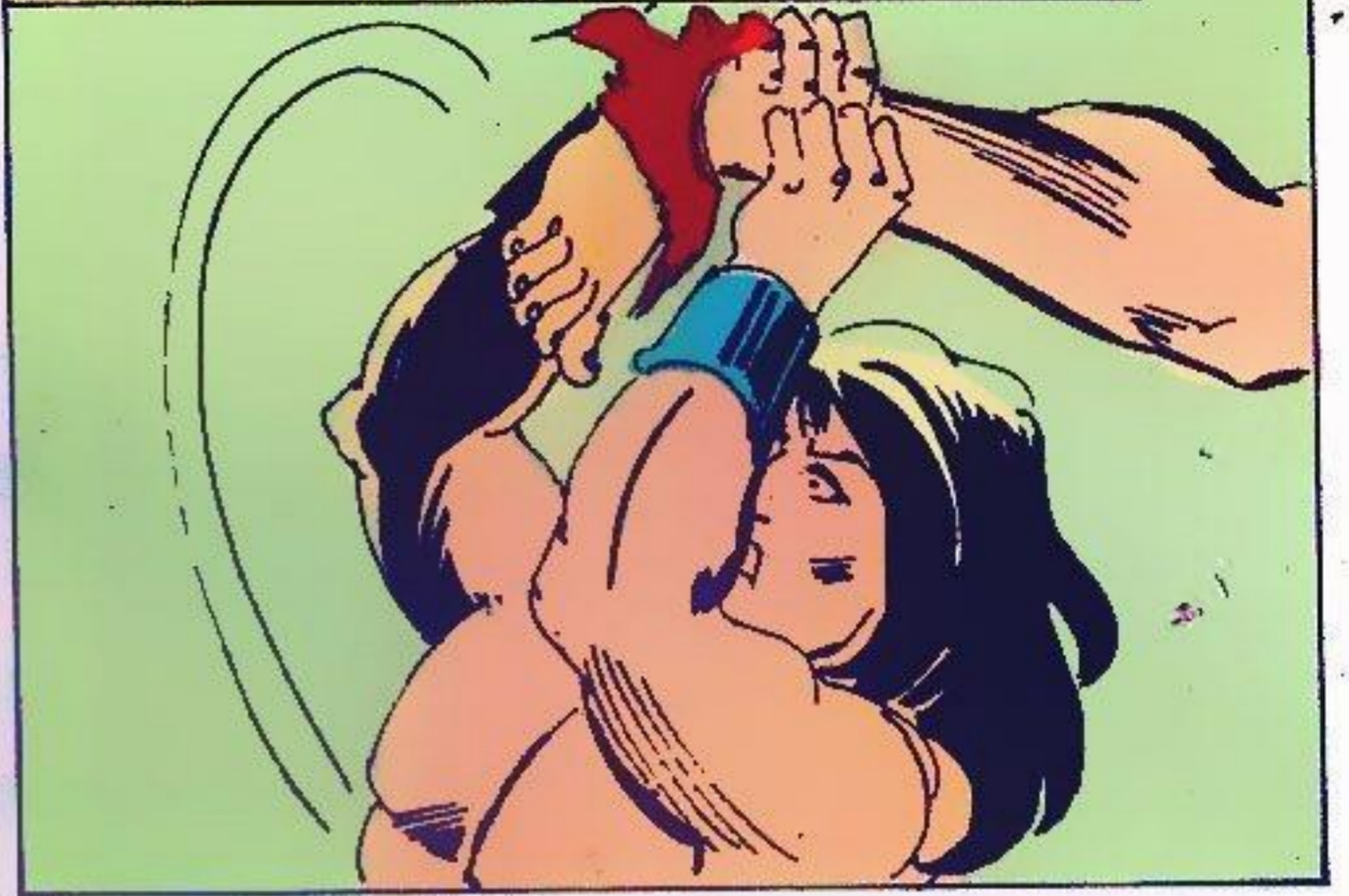
शाका और उडानो हंस पड़े।



लेकिन शाका और उडालो मुकाई दे गए ।



फिर मुकाई देकर शाका और उडालो ने दो बंडा सैनिकों को चूहे की तरह पकड़ लिया और धुमाने लगे ।



अचानक शाका ने हाथ में मुलाते बंडा को उलांगो पर दे मारा ।



तुम अपना वार कर चुके, अब मेरी बारी है ।

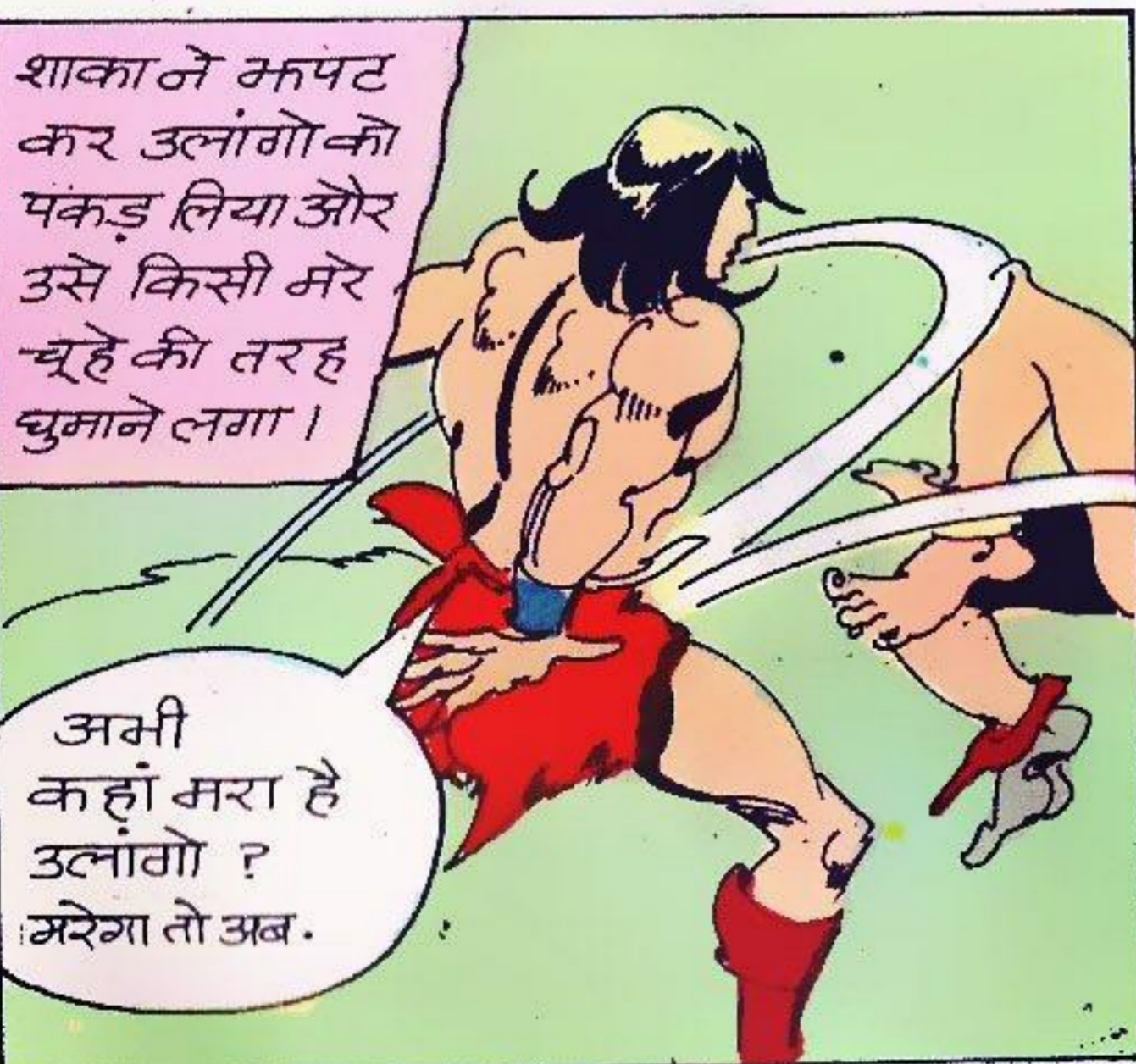


उलांगो त्योरा कर जमीन पर गिरा । धनुष बाण उसके हाथ से दूर जा गिरे ।



शाका ने मपट कर उलांगो को पकड़ लिया और उसे किसी मरे चूहे की तरह धुमाने लगा ।

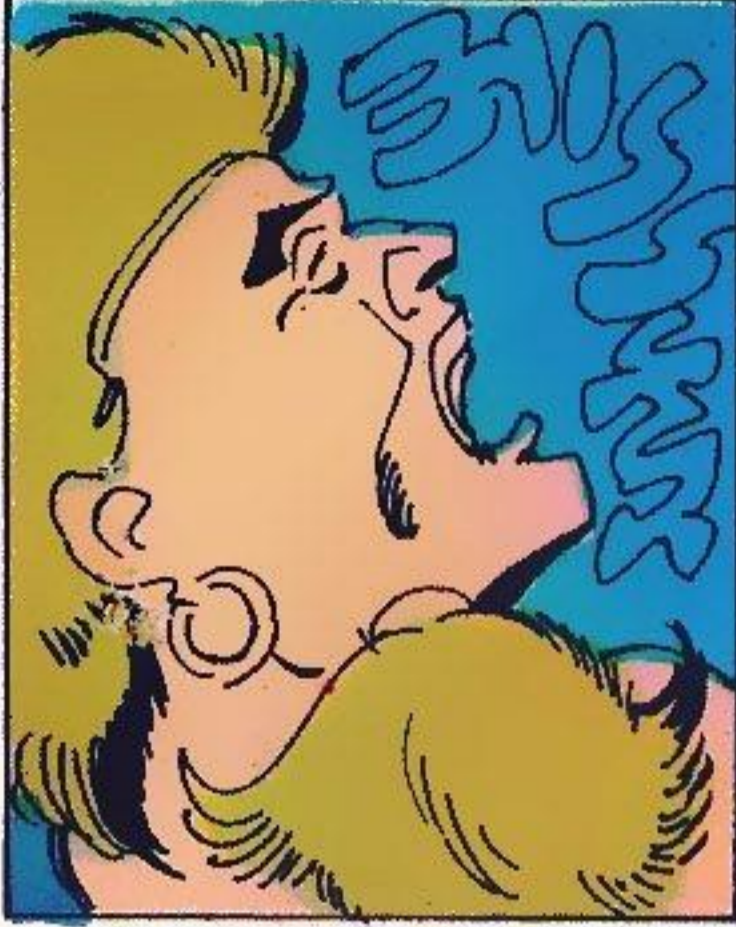
अभी कहां मरा है उलांगो ? मरेगा तो अब.



शाका ने उलांगो को उसी के आदमियों पर दे मारा ।



उलांगो की कमर टूट गई - वह मरते सांड की तरह उकराने लगा।



उलांगो की ये हालत देख बाकी सैनिक भाग खड़े हुए, किन्तु शाका का गुस्सा अभी शान्त नहीं हुआ था।



उडालो ! सावधान, एक भी बचने न पाए।

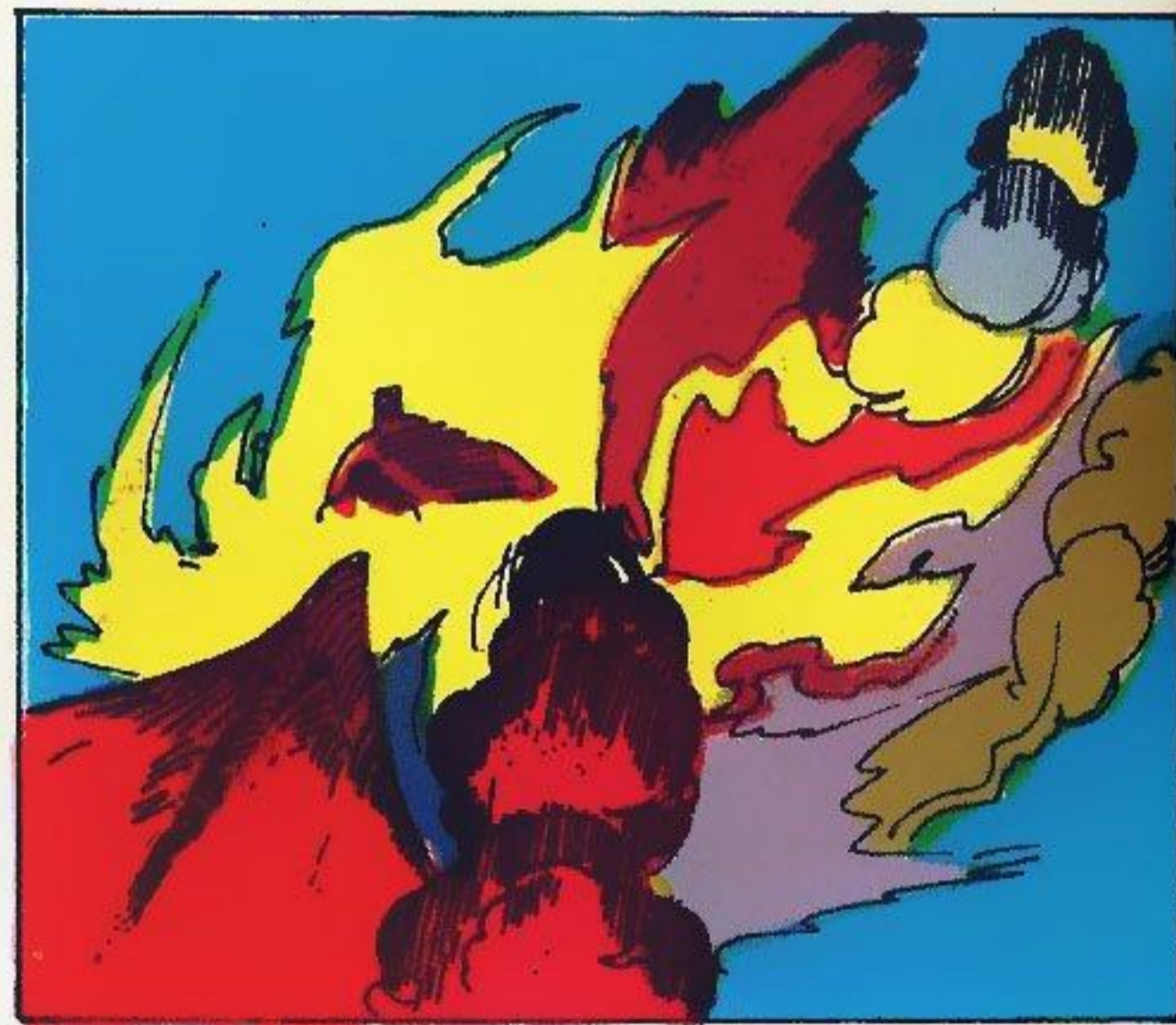
अब तुम क्या करने जा रहे हो महाबली ?



मैं इनकी भोंपड़ियों में आग लगाने जा रहा हूँ, जिससे भविष्य के लिये इन्हें सबक मिल जाए कि शाका से धोखे बाजी का क्या अंजाम होता है।



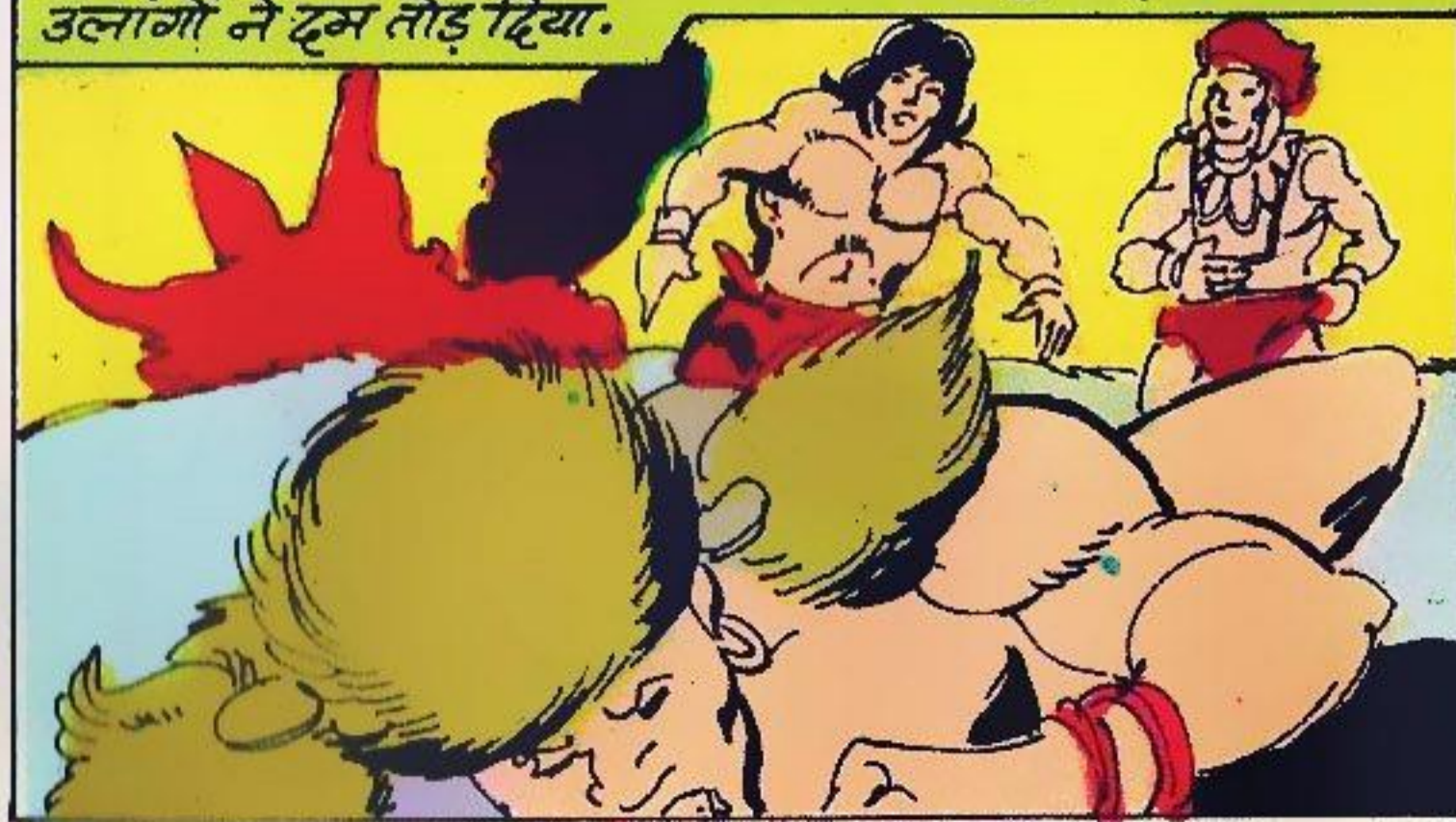
फिर एक क्षण का भी विलम्ब किये बिना शाका ने बंडाओं के हाथ से गिरी दो मशालें उठा लीं, और एक के बाद एक घर में आग लगानी शरम्भ कर दी. कुछ ही देर में ही आग ने जोर पकड़ लिया।



आग में झुलसते बंडा स्त्री, पुरुष और बच्चे धोखते हुए अपनी भोंपड़ियों से बाहर निकल कर भागने लगे।



शीघ्र ही सारा गांव आग की भीषण लपटों में घिर गया. इस बीच शाका और उडालो मृत प्रायः पड़े उलांगो के पास खड़े अटूट हास लगाते रहे। कुछ ही क्षण बाद उलांगों ने दम तोड़ दिया.





उडालो !
उलांगो ने कहा
था कि, यह काम
अग्नि मानवों का
है, यह अग्नि
मानव रहते
कहां हैं ?

पश्चिमी
पहाड़ों में कहीं
छुपा स्थान है
उनके रहने का
आओ चलते हैं।



शाका ने सहमति जताई. फिर दोनों
पश्चिम दिशा के पहाड़ी क्षेत्र की ओर
बढ़ लिये।

खोजी हेलीकाप्टर अब पश्चिमी दिशा
की पहाड़ियों के ऊपर उड़ रहा था। सभी
दूरबीन की मदद से नीचे की ओर देख रहे
थे। अचानक मेजर ने चालक को संकेत
किया।



काप्टर
थोड़ा और नीचे
उतारो। मुझे पहाड़ी
पर जल्दी-जल्दी
बढ़ती हुई कुछ
आकृतियां दिखी
हैं।



कहां, किस
ओर ?

मेजर ने इशारे से
बताया।

और हां !
सचमुच

चालक ने काप्टर को और नीचे किया।



बस
साहब ! काप्टर
इससे ज्यादा और
नीचे नहीं जा सकता.
पेड़ों से टकरा जाने
का खतरा है।



काफी
है ! अब इसे थोड़ी
दूर यहीं केन्द्रित
रखो।

अपने ऊपर मंडराते हेलीकाप्टर को देख
अग्नि मानवों में घबराहट फैल गई। वे
जल्दी-जल्दी बन्दी लड़कियों को खींचते
आगे भागने लगे।



जल्दी
करो, उन्होंने
हमें देख लिया
है।



हेलीकाप्टर में बैठे नीचे की ओर झांकते
मेजर के चेहरे पर सफलता की चमक
कौंध उठी।

यह
यकीनन वही
लुटेरे हैं, जिन्होंने
कैम्प से लड़कियां
चुराई हैं।



हां! अब मैं
और स्पष्ट देख रहा
हूँ। उन्होंने लड़कियों
को बांध रखा है, वो
घिसटती सी चल
रही हैं।



तुरन्त सीढ़ी
लटकाओ. हम लोवा
शस्त्रों से लैस होकर
नीचे उतरेंगे।



मेरी राय
में इतनी जल्दी
करना ठीक न होगा
मेजर! ऐसा न हो
कि वे हमें बीच में
ही अपना निशाना
बना लें।



चारों अलग-अलग अग्नि मानवों के पद चिन्ह खोजने की कोशिश करने लगे, लेकिन वे एक दूसरे से ज्यादा दूर नहीं गए।

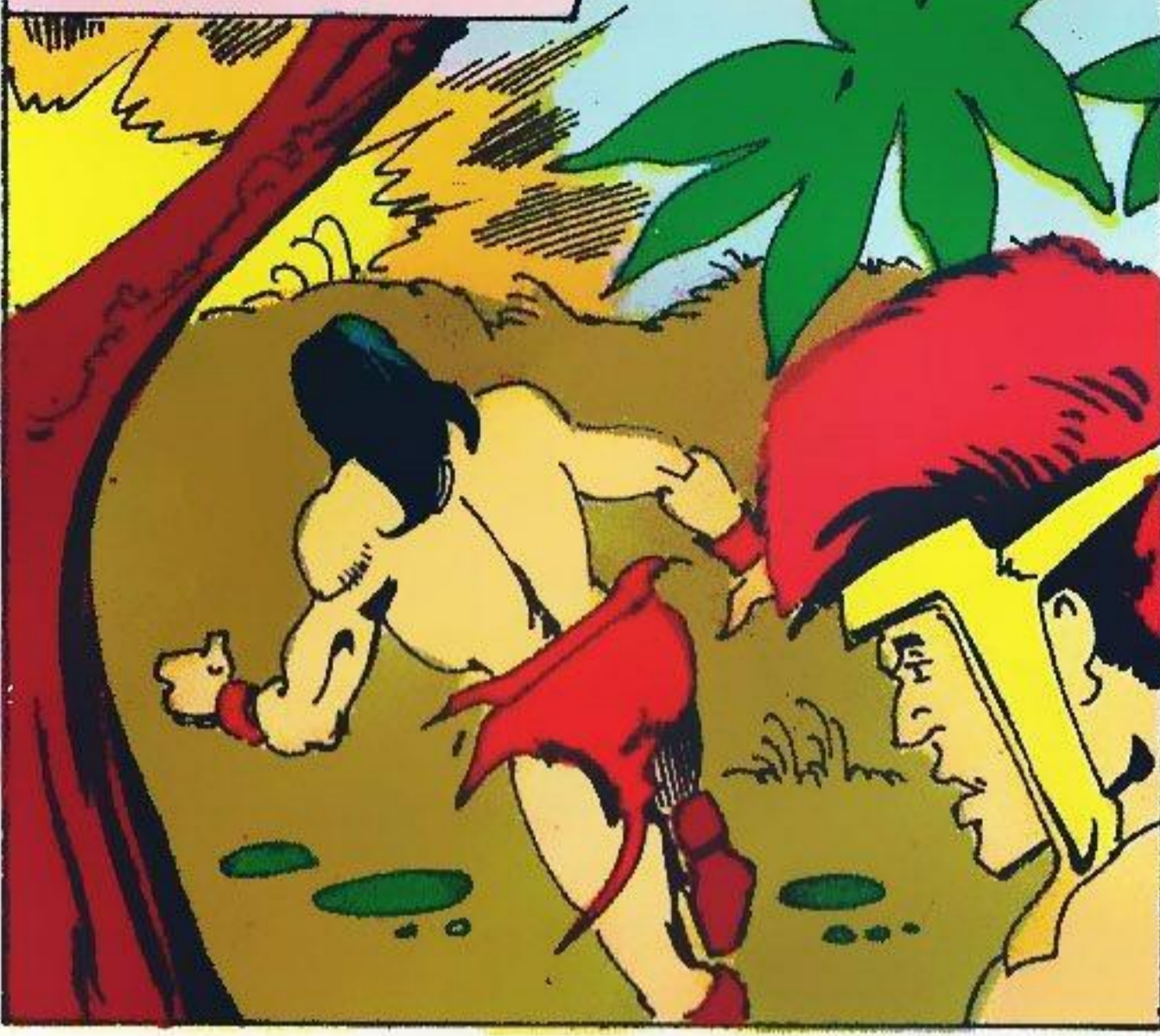


हैलीकाप्टर की गड़गड़ाहट.. और बाद में हेन्ड ग्रेनेड के फटने की आवाज ने महाबली शाका और उडालो को स्तंभित कर दिया और वे दोनों ठिठक कर खड़े हो गए।



अग्नि मानव की लड़ाई 13

दोनों तेज-तेज कदम बढ़ाते विस्फोट की दिशा में बढ़-चले।



क्रेटर के मुख के अन्दर घाटी में जैसे ही अग्नि मानवों का अन्तिम खटोला उतरा, कैदी लड़कियों सहित उन्हें मम्बा के विशाल महल की ओर खाना कर दिया गया।



एक लम्बे-चौड़े हाल में एक ऊंचे सोने के सिंहासन पर बैठा अग्नि मानवों का सरदार मम्बा अपने पलटू-चीते की पीठ सहला रहा था— समीप ही सिर घुटा प्रधान पुजारी खरल में कोई दवा घोट रहा था। जैसे ही सैनिक ने अपहृत लड़कियों के आने की सूचना दी, उसके चेहरे पर प्रसन्नता व्याप्त हो गई।

हमारे आदमी कामयाब होकर लौटे हैं सरदार! आज्ञा हो तो कैदी लड़कियों को पेश किया जाय?



अवश्य! आज सारे दिन हम उन्हीं की प्रतीक्षा तो करते रहे हैं।

बाद में— प्रधान पुजारी और मम्बाने कैदी लड़कियों का निरीक्षण किया, और उनकी ओर हाथ से कुछ संकेत किया। बेहोशी की अवस्था में पड़ी लड़कियों का सम्मोहन रुकदम टूट गया। वे कराहते हुए होश में आने लगीं

इन्हें सही हालत में आने के लिये दो दिन का वक्त लगेगा। तब तक इन्हें अच्छा भोजन दो।

और हां! इन्हें लाने वाले वीरों को हमारे सम्मुख प्रस्तुत करो। हम उन्हें पुरस्कृत करेंगे।

जरूर स्वामी!

सरदार—ये लड़कियां जवान और सुन्दर हैं मेरे आसव बनाने में खूब काम आरेंगी।

ठीक है।

लड़कियों को अपहरण करके लाने वाले अग्नि मानव मम्बा के सामने पेश हुए।

इस बार तुमने सचमुच तारीफ के योग्य काम किया है। कोई दिक्कत तो नहीं आई?

पहाड़ी के समीप कुछ परेशानी आई थी सरदार। लेकिन हमने दुश्मनों को चकमा दे दिया और साफ बच कर आ गए। किन्तु हमें सावधान रहना होगा।

दुश्मन...? परेशानी...? पूरी बात बताओ?

उसी अग्नि मानव ने उसे हेलीकाप्टर सर्च पार्टी के बारे में बताया।

दहाने के पास प्रवेश द्वार के निकट हम पर हमला किया गया था सरदार! लेकिन सौभाग्य से हम बच गए।



मम्बा गम्भीर विचार में डूब गया।

कहीं बाहरी दुनियां के लोगों को इस स्थान का पता तो नहीं लग गया।

सम्पूर्ण घाटी में चोकसीका प्रबन्ध करा दो। सारे चीतों को उनके बाड़ों से आजाद कर दो। सावधान! एक भी अनजाना व्यक्ति अंदर न आ सके।



फिर मम्बा प्रधान युजारी से मुखवातिब हुआ।

बटांडो! तुम आसव तैयार करने में कितना और वक्त लोगे?

बाकी दवाओं का घोल तैयार हो चुका है सरदार! आसव तैयार करने के लिये जो मुख्य चीज चाहिये वह है। स्त्रियों का ममीरा*।

* ममीरा - मानव शरीर को सुरवाकर या जलाकर बनाया द्रव्य।



वह आपको परसों तक मिल जाएगा।

तो समझ लीजिए आसव भी परसों ही तैयार हो जाएगा, और आसव पीते ही आपकी उम्र भी पांच सौ वर्ष बढ़ जाएगी।

पां.. च... सौ.. वर्ष.. ? इस बार इतना बड़ा अन्तर कैसे?

इस बार लड़कियों की संख्या भी तो ज्यादा है सरदार! इसलिए आसव का असर भी ज्यादा दिनों तक चलेगा।



तब फिर क्या करें?



हम चेतावनी के रूप में एक दस्ती बम नीचे टपकाए देते हैं। विस्फोट होते ही ये जंगली घबरा जायेंगे फिर हम नीचे उतरेंगे।



मेजर ने पेड़ों की ओर भागते अग्निमानवों की दिशा में एक हैण्ड ग्रेनेड फेंक दिया।



नीचे गिरते ही ग्रेनेड भयंकर आवाज के साथ फटा। साथ ही एक अग्नि मानव तथा दो कैदी लड़कियाँ चपेट में आने से बाल-बाल बचीं।



अग्नि मानवों ने जल्दी जल्दी-जल्दी लड़कियों को अपनी पीठ पर लादा और पेड़ों पर चढ़ गए।



एक पेड़ से दूसरे, फिर दूसरे से तीसरे इसी प्रकार उन्होंने वृक्षों के ऊपर ही ऊपर अपना रास्ता तय करना आरम्भ कर दिया।



जब तक मेजर और उसके साथी काफ़्टर की सीढ़ी से नीचे पहुंचे वहां मैदान साफ हो चुका था।



वे गायब हो गए।

आओ! आगे खोज करते हैं।

बेतार यंत्र द्वारा मेजर ने काप्टर चालक को सन्देश दिया।

काप्टर को किसी ढंग की सुरक्षित जगह उतार लो, हम लुटेरों की खोज में जा रहे हैं।



जैसी आज्ञा सर!

काप्टर चालक हेलीकाप्टर को उतारने के लिये सुरक्षित जगह का निरीक्षण करने लगा। मेजर अपनी सर्च पार्टी सहित पेड़ों की ओर बढ़ गए।



घने पेड़ों का यह सिलसिला उस ऊँचाई की ओर बढ़ता गया है। लगता है, वे उसी ओर गए हैं।

तो फिर हम भी सावधानी के साथ उसी दिशा में बढ़ते हैं।



ठीक कहते हो। आओ उसी ओर चलते हैं।



वृक्षों पर वन मानवों की भांति कूलांगों लगाते दो-दो लड़कियों का बोझ संभालें, अग्नि मानव तेजी से पहाड़ी की ओर अग्रसर थे। उनकी पीठ पर लटकी लड़कियों को इतना सा भी होश नहीं था, कि वे अपने वस्त्र भी ठीक कर लें।

पहाड़ी पर घने वृक्षों के पास पहुंच कर अग्नि मानवों ने कोयल की कूक जैसी रकं तेज आवाज लगाई।



यह संकेत था उनके पहुंचने का। प्रत्युत्तर में पहाड़ी से भी अनेक आवाजें कूकीं, और फिर देखते ही देखते अनेक अग्नि मानव पड़ों से नीचे कूद पड़े। सभी हथियारों से लैस थे।



लुटेरे अग्नि मानवों में से एक धवराय स्वर में बोला।

उड़न खटोला नीचे लटकाओ। और जल्दी करो, दुश्मन हमारे पीछे है।

दुश्मन? उन्हें यहां तक रास्ता कैसे मालूम हुआ?

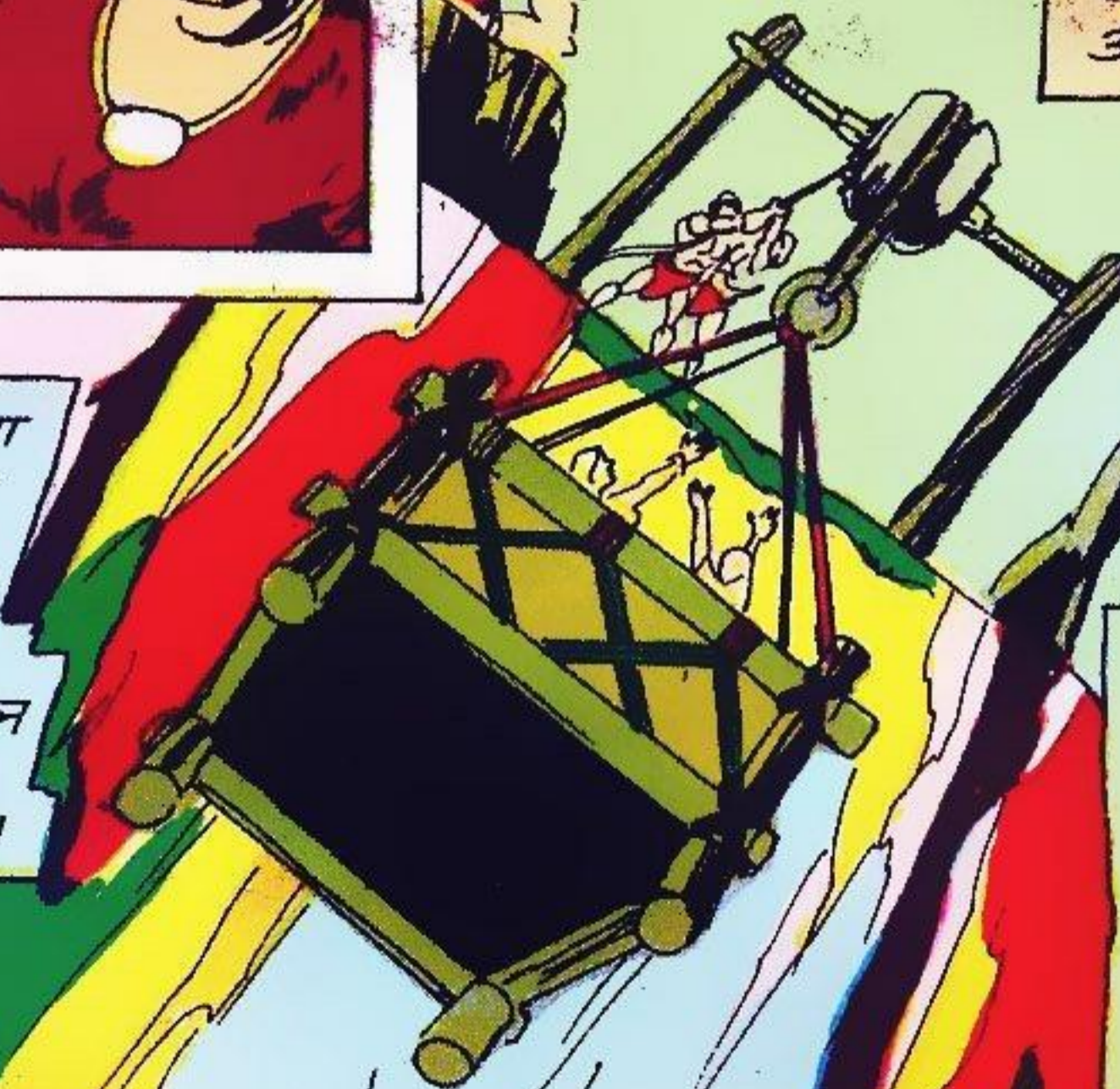


बातों में वक्त जाया मत करो। जल्दी करो. वे बस पहुंचने ही वाले हैं।



अग्नि मानव गार्ड तुरन्त एक छुपे स्थान की दिशा में दौड़ गया. और फिर थोड़ी ही देर में पहाड़ी के उस गोल क्रेटर में रस्सियों के सहारे ऊपर उठते दो उड़न खटोले ऊपर आते दिखाई देने लगे।

जैसे ही पहला खटोला ऊपर पहुंचा—जल्दी जल्दी अग्नि मानवों ने बंदी बनाई कई लड़कियों को खटोले पर फेंक दिया। तत्काल ही वह खटोला नीचे की ओर उतरने लगा।



फिर दूसरे तथा तीसरे खटोले द्वारा सभी बंदी लड़कियों समेत अग्नि मानव पहाड़ियों के मुख में समा गए। गार्ड अग्नि मानव अपने स्थान पर छुप गए. और वहां एक भी ऐसा निशान बाकी न रहा जिससे मालूम हो सकता हो कि उस भयंकर क्रेटर में नीचे उतरने का कोई रास्ता भी कमी रहा था।

खोज करते हुए मेजर और उसके साथी जिस समय क्रेटर के मुख के पास पहुंचे तब तक अग्नि मानव लड़कियों को कई सौ फुट नीची क्रेटर के नीचे वाली घाटी में लेकर पहुंच चुके थे।

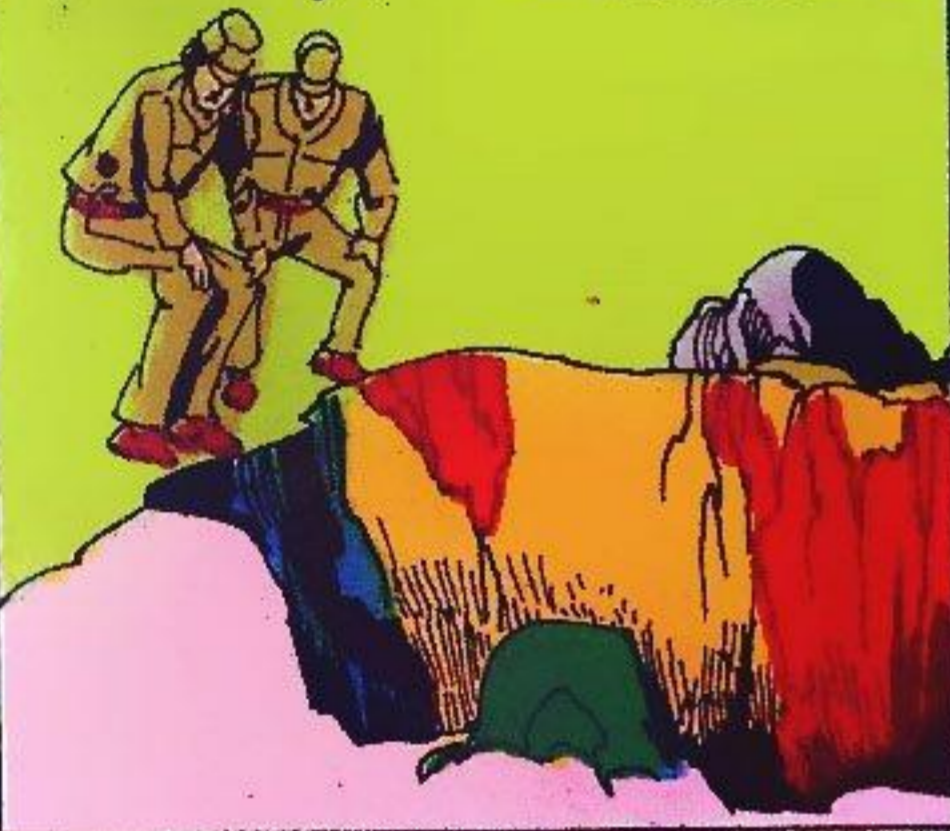
रामन !
यहां तो उनका रुक भी चिन्ह नहीं है। ऐसा लगता है किसी जादुई करिश्मे से वे लुटेरे वायब हो गए।

इस क्रेटर के मुख में देखिये, शायद वे वहीं छिपे हों।

चारों ने क्रेटर के मुख में नीचे झांका। जगह की भयंकरता देख सभी सन्न रह गये।

वे लोग यहां नहीं आ सकते।

तौबा !
बड़ी खतरनाक जगह है, ऐसा लगता है, कि यह रास्ता सीधा माताल को चला गया है।



कैसे कह सकते हो तुम ? वे लोग वहीं कै रहने वाले हैं, ऐसी जगहें हमारे लिये बेशक खतरनाक हैं, लेकिन उनके छिपने की अच्छी जगह हो सकती हैं।

मुझे यकीन नहीं आता मेजर साहब ! अन्दर की ओर कितना गहन अंधेरा है। टार्च का प्रकाश भी कुछ ही दूर तक जा पा रहा है।

तो क्या लौट चले ? कहीं और ढूँढते हैं।

नहीं-हम कुछ देर वहीं रुककर उनके चिन्ह खोजने की चेष्टा करें, हो सकता है हमारे हाथ कोई सूत्र लगा जा जाय।



शाका ने गम्भीरता से क्रेटर का निरीक्षण किया, और फिर रुका रुक ही बोल उठा।

मैं विश्वास के साथ कह सकता हूँ, वे इसी क्रेटर में गए हैं।

अगर कुछ मोटे मोटे रस्से मिल जायें तो मेरे और उडालो के लिये नीचे उतरना...

...कठिन काम नहीं है।

रस्सियां तो मिल जाएंगी। काप्टर में नाथलोन के कई मोटी-मोटी रस्सियों के गुच्छे मौजूद हैं।

शाका ने उन्हें योजना बताई।

सबसे पहले मैं और उडालो नीचे जाते हैं, मशीन गन तैयार रखके आप क्रेटर के मुख पर मौजूद रहोगे। रस्सी के अन्तिम सिरे पर पहुंच कर हम उसे हिलाएंगे। तब आप में से दो नीचे उतर आना।

पहली वाली रस्सी यही लटकती रहेगी। दूसरी वाली को हम नीचे पहुंच कर खोल देंगे और वहां किसी चीज से अटकाकर बारी-बारी से नीचे उतर चलेंगे।

सिर्फ मुझे हल्की गन और कारतूसों की रक पटी दे दीजिये।

और उडालो? वह खाली हाथ रहेगा क्या?

बिल्कुल ठीक. अब ये बताइये कि आपको कौन सी चीजें चाहिये, हमारे पास हर किस्म के अच्छे आग्नेयस्त्र मौजूद हैं।

उडालो इन आधुनिक हथियारों का प्रयोग करना जानता ही नहीं है। वह अपने वही परम्परागत हथियार, बुरा तीर कमान आदि में निपुण है।

शाका और उडालो अभी कुछ ही नीचे लटके थे कि रस्का एक उडालो चीख उठा। उसने अग्नि मानवों के खटोले की रस्सी देख ली थी।

हां शायद इसी के सहारे ये अग्निमानव ऊपर नीचे आते जाते होंगे। तुम ठहरो, मैं इसे खींचता हूं।

शाका ने लटकते हुए छलांग मरी, और फिर अपनी रस्सी छोड़कर वह मोटी रस्सी धाम ली। फिर वह ऊपर की ओर मुंह करके चिल्लाया।

शाका ने वह मोटी रस्सी हिलाकर दिखाई। नीचे से रस्सी हिलते ही दिये हुए अग्नि मानव गार्ड चौकन्ने हो गए। एक अग्नि मानव ने शाका पर तीर चलाया।

उधर देखो शाका, बहुत मोटी रस्सी नीचे की ओर लटकती हुई दिख रही है, शायद इसी से उतरे होंगे?

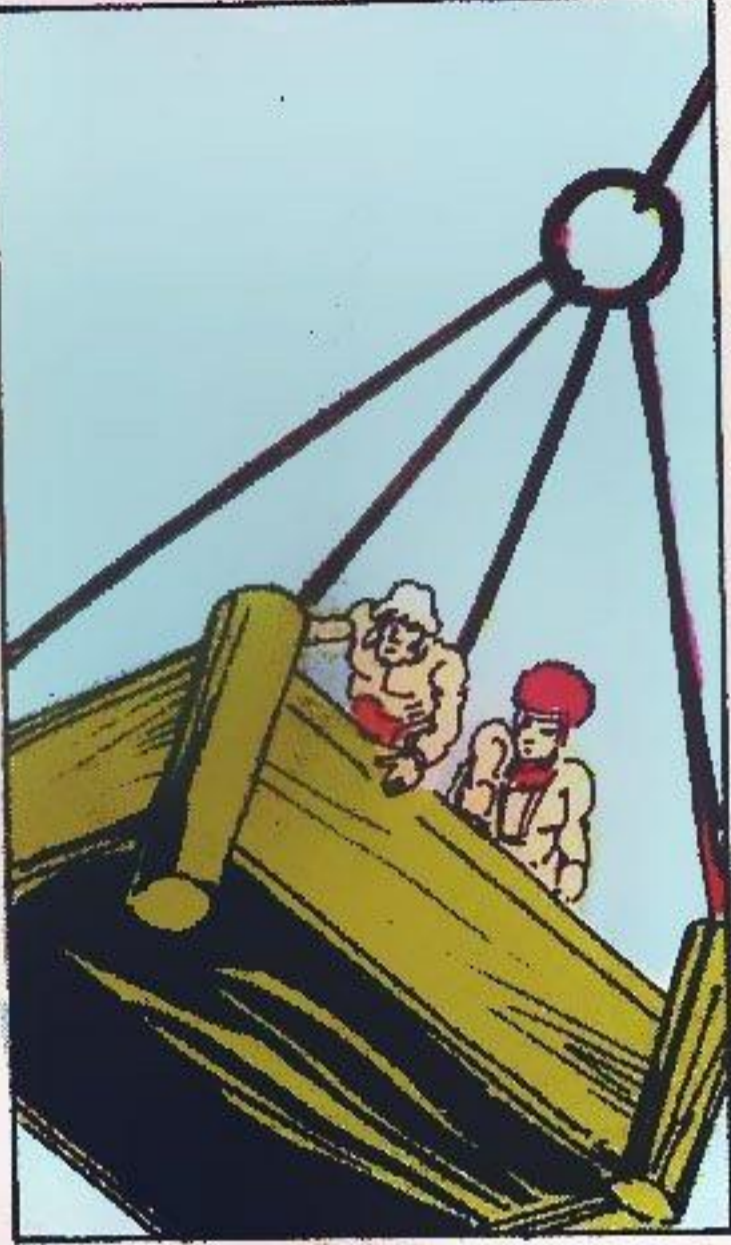
मेजर! मैंने उन लोगों के नीचे उतरने का रहस्य पता कर लिया है।

लेकिन तब तक बाकी काबरू (अग्नि मानव) भी मेजर और उसके साथियों की नजर में आ गए। उधर काबरू ने शाका पर तीर छोड़ा और उधर से गनों की रट-रट गूंज उठी।

रस्सी को मुलाकर शाकातुरन्त मुकाई दे गया - फलस्वरूप काबरू का निशाना चूक गया। लेकिन मेजर और साथियों का निशाना न चूका - रुक के बाद रुक, दस अठिन मानव मृत या जख्मी होकर क्रेटर में गिरते चले गए।



शाका और उडाले फिर से ऊपर आ गए, शीघ्र ही दोनों ने काबरूओं के छिपे उन खटोलों पर अधिकार कर लिया।

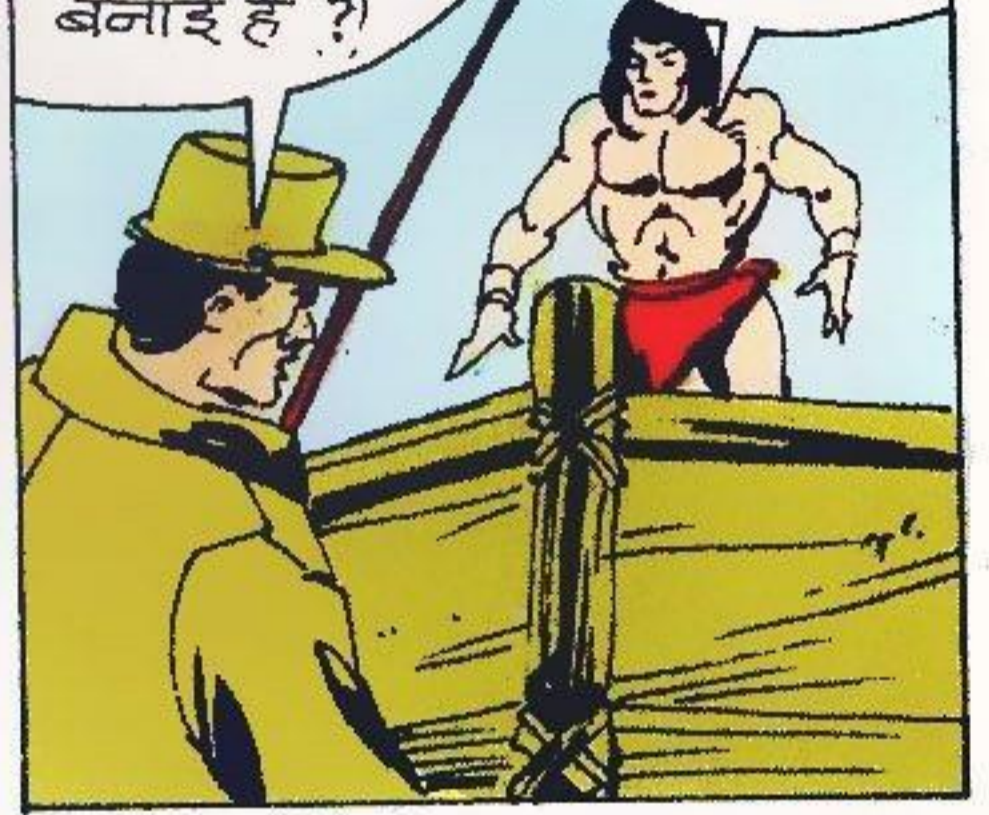


मेजर ने भी आश्चर्य - चकित भाव से उस उड़न खटोलों को देखा।

भई ...

मानना पड़ेगा कि जंगली भी दिमाग रखते हैं. क्या लिफ्ट बनाई है ?

हम सब इन्हीं से नीचे उतरेंगे।



मेजर का सिर्फ रुक साथी उस चकरीनुमा लिफ्ट को आसानी से हैंडिल करता रहा। बाकी सब व्यक्ति उसी उड़नखटोले में बैठकर आसानी से नीचे उतरने लगे।



कुछ ही देर में वे लिफ्ट नुमा खटोले उस जगह जा टिके जहां गनों की मार से मरे अनेक अठिन मानव पड़े हुए थे। सब खटोलों से उतर पड़े और बाहर जाने का रास्ता खोजने लगे।

आओ अब उनके स्थान पर पहुंचने का रास्ता तलाश करते हैं।

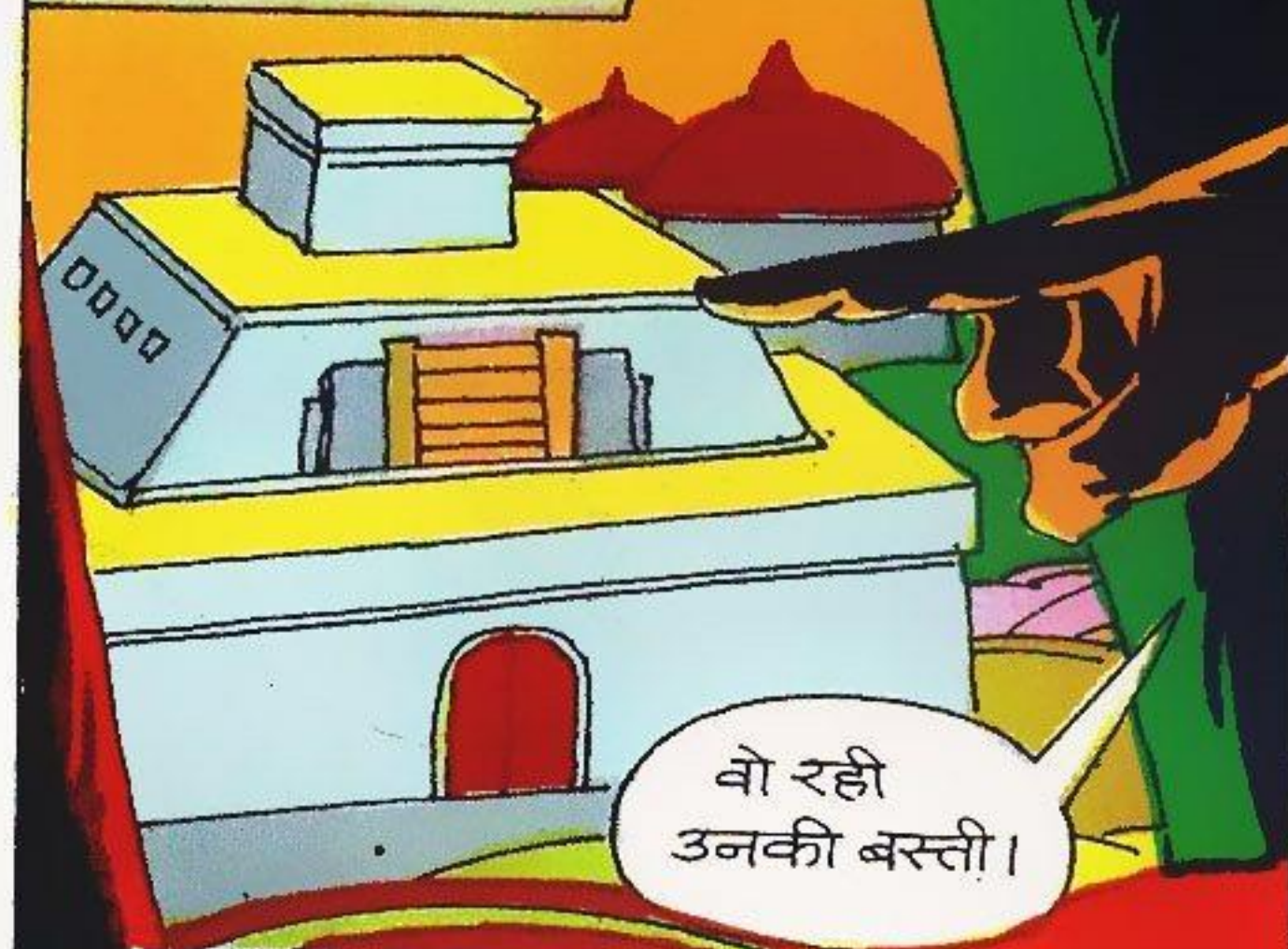


तमी एक तेज हवा के कोंके
ने उनका स्पर्श किया, यहाड़ी
जीवन के अभ्यस्त उडाबो
ने तुरन्त उस द्विपे स्थान को
खोज लिया ।



हवा का
कोंका इस
ओर से आया है
द्वर वही-कहीं है ।

पांचों व्यक्ति उस दरवाजे से बाहर निकले तो सबने
अपने आपको एक खुली घाटी में मौजूद पाया ।
दूर उन्हें जंगलियों के कुछ पत्थरों के बने मकान
भी दिखाई दे गए ।



वो रही
उनकी बस्ती ।

यह लगभग वही समय था जब मम्बा
चीतों के बाड़े से पालतू चीतों को मैदान
में छोड़ने का आदेश दे रहा था ।



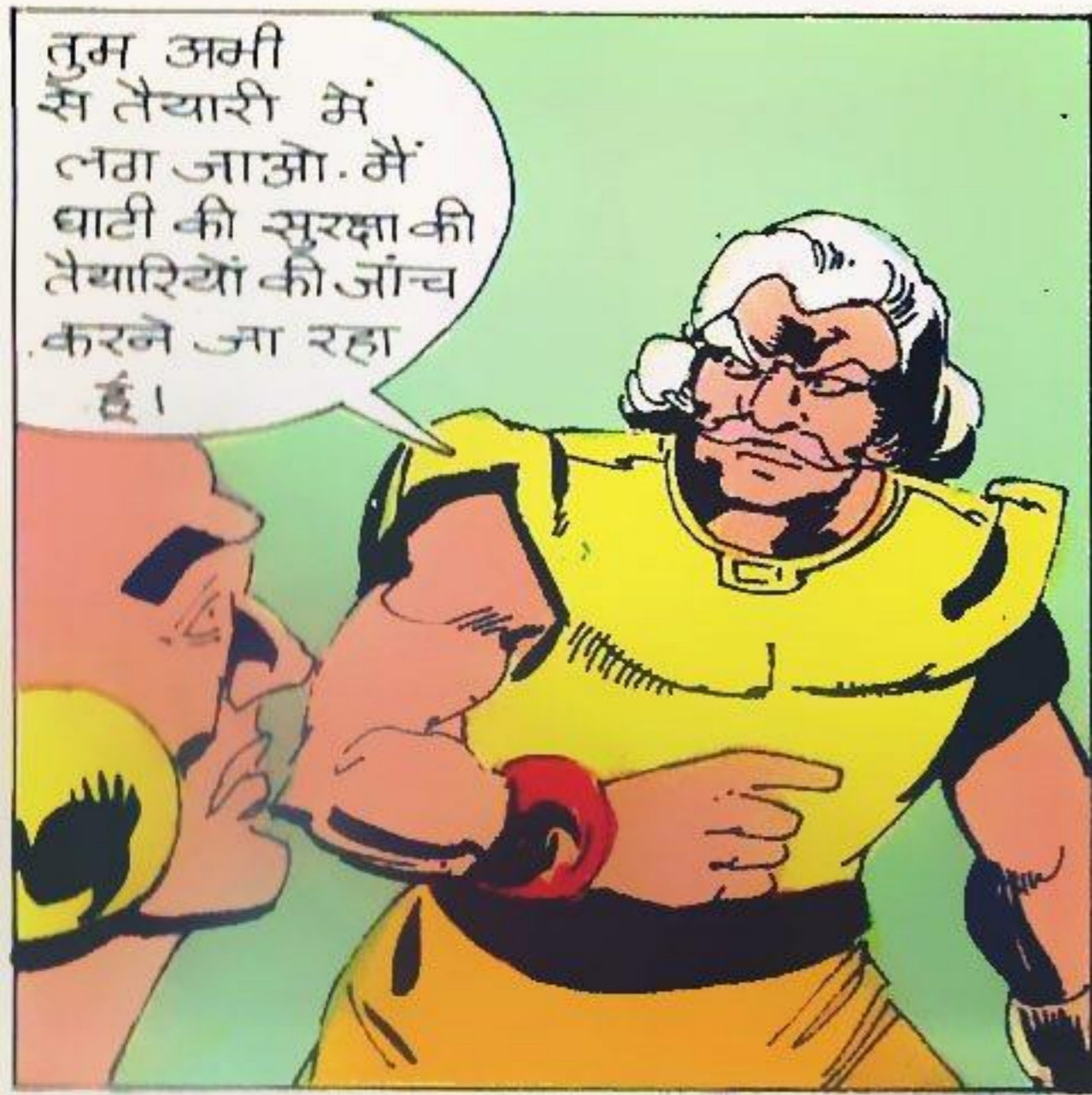
अब कोई भी
अजनबी घाटी
में दाखिल होने
की जुरत नहीं
कर सकेगा ।

बाड़े के दरवाजे का खुलना था, कि हिंसक चीते
मैदान में छलांगें लगा गए ।

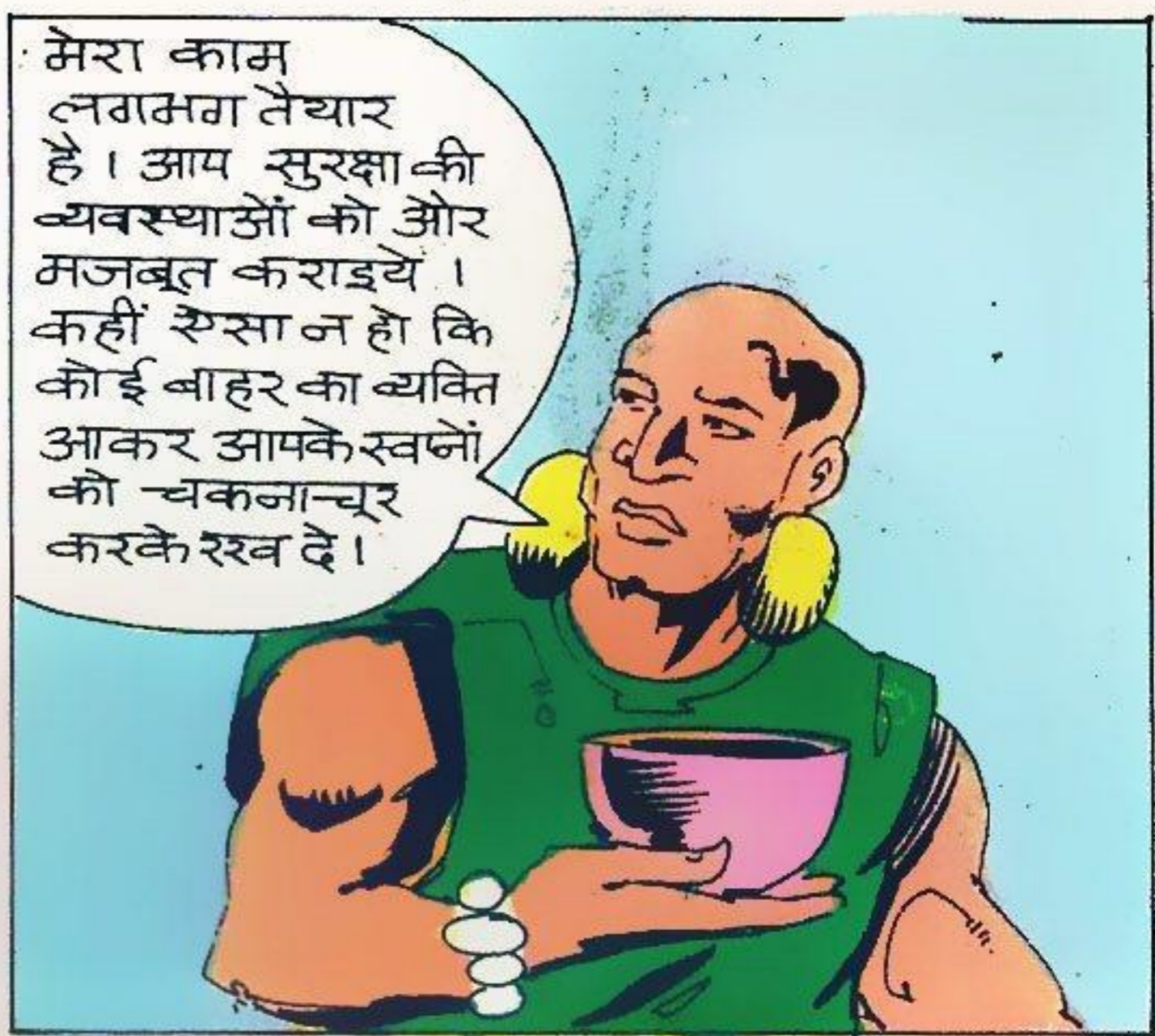


और जैसे ही पांचों व्यक्ति घाटी में दाखिल हुए
चीतों ने अपने शिकार देख लिये ।

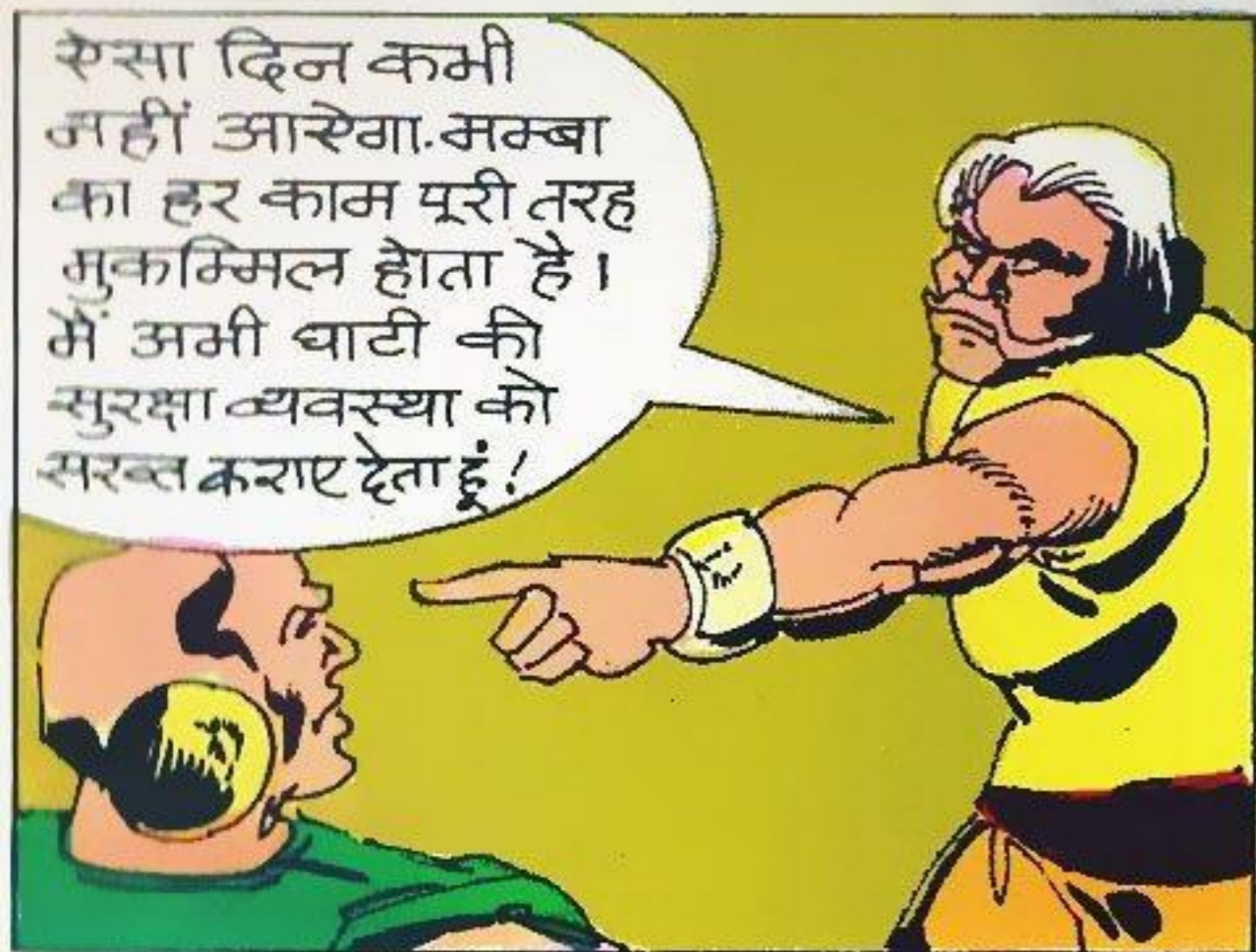




तुम अभी से तैयारी में लग जाओ. मैं घाटी की सुरक्षा की तैयारियों की जांच करने जा रहा हूँ।



मेरा काम लगभग तैयार है। आप सुरक्षा की व्यवस्थाओं को और मजबूत कराइये। कहीं ऐसा न हो कि कोई बाहर का व्यक्ति आकर आपके स्वर्णों को चकनाचूर करके रख दे।



ऐसा दिन कभी नहीं आयेगा. मम्बा का हर काम पूरी तरह मुकम्मिल होता है। मैं अभी घाटी की सुरक्षा व्यवस्था को सरबत कराए देता हूँ!



और फिर मम्बा तेजी से उठकर घाटी की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कराने के लिये बाहर की ओर खाना हो गया।



शाका और उडालो को हेलीकाप्टर के पास पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगा। वे लगभग दौड़ते हुए वहां पहुंचे थे। जैसे ही दोनों काप्टर के नजदीक पहुंचे, पायलट का चेतवनी मरा स्वर सुनाई दिया।

जहां हो वहीं रुक जाओ, खबरदार जो रुक भी कदम आगे बढ़ाया।

कौन हो तुम ?

उत्तर शाका ने दिया।

मैं महाबली शाका हूँ और ये मेरे साथी हैं।



यायलट के चेहरे पर सोचने के भाव पैदा हुए।

शाका? यह नाम तो मेरा सुना हुआ है. कहीं तुम वही शाका तो नहीं हो जो कोसिमा के बीहड़ों का एकछत्र मालिक है, समाज विरोधी तत्व जिससे धरती है?



तुमने ठीक पहचाना नौजवान. मैं वही शाका हूँ।

यायलट ने गान हटा ली।



तब तो आप हमारे मिल हैं। आइए खोजी दस्ते की ओर से आपका स्वागत है।



खोजी दस्ता? मैं कुछ समझा नहीं।



मैं समझता हूँ। आइये यहाँ बैठिये।



तीनों रुक शिला के समीप बैठ गए। पायलट ने शाका को अपने अभियान के विषय में बताया। सारी घटना सुनकर शाकाने कहा।

तब तो हमारा और तुम्हारा रुक ही उद्देश्य है। मैं भी उन औरत-चोरों की तलाश में यहां तक पहुंचा हूँ, तुम्हारे बाकी साथी कब तक आएंगे?

वे किसी भी समय लौट सकते हैं, काफी देर हो गई उन्हें पहाड़ी के मुख की ओर गए हुए।

ठीक है, उनके लौटने की प्रतीक्षा किये लेते हैं। उनके लौटने पर ही हम अपना सोचा कार्यक्रम बना लेंगे। तब तक हम थोड़ा सुस्त लें।

अवश्य! आप दोनों आराम करें मैं पहले पर हूँ।

क्रेटर से मेजर और उसके साथी निराश लौटे।

मेरा अनुमान है कि वे अवश्य ही उस क्रेटर में चले गए हैं।

यकीन नहीं करता कि ऐसी भयंकर गहराई में वे दो-दो स्त्रियों का बोझ उठा कर क्रेटर में उतरे होंगे?

हम घूम-फिर कर वहीं लौट आए जहां से चले थे। मतलब साफ है विफलता।

मैं अभी भी आशाव्यित हूँ... सफलता जरूर मिलेगी. मले ही देर से मिले।

कहीं तब तक बहुत देर न हो जाए? मुझे तो शंका है, वे लड़कियों को किसी बुरे उद्देश्य से उठाकर ले गए हैं।

तब तक चारों हेलीकाप्टर के काफी निकट पहुंच चुके थे। सबसे पहले शिला की टेक लगाए शाका और उडालो को रामन ने ही देखा।



रुक और आश्चर्य मेजर साहब! देखिये वे दो जंगली ?

सचमुच!

पदचाप सुनकर दोनों सौर व्यक्ति तुरन्त ही उठ बैठे। पायलट ने जब मेजर से शाका का परिचय कराया तो सब हर्षित हो उठे।

ये तो बहुत अच्छा हुआ महाबली, कि तुम लोगों से मुलाकात हो गई। अब हम अवश्य सफल होंगे।



हम दोनों स्वयं उनकी खोज करते हुए ही यहां पहुंचे हैं।

मेजर ने अविन मानवों की मौजूदगी और अचानक क्रेटर के समीप गायब होने वाली बात बताई।

मुझे वह जगह दिखवाइये मैं उन्हें खोज लूंगा।

पायलट को वहीं छोड़ कर शेष समीलोम फिर क्रेटर के पास लौट पड़े।



मेजर ने क्रेटर की ओर मांकते हुए शाका को बताया।

यही है वह स्थान, जहां से उन लुटेरों का कोई पता नहीं लगा।



लेकिन शाका और उनकी पार्टी चैतन्य थी।
अचानक ही चीतों को भयपटता देख शाका
चीरवा।



संमलो
मेजर!

चीते ने शाका पर झलावा लगाई, लेकिन
इससे पहले कि चीता शाका पर गिरे,
मेजर और उसके साथियों की मशीनगनें
आग उगलने लगीं। सारी घाटी भयंकर
शोर से गूँजने लगी, चीते मरने लगे।



आसव तैयार करते पुजारी ने भी गनों की
आवाज और चीतों का चीत्कार सुना तो
डरते हुए उसने घाटी में भांका।...



हे भगवान!
नीचे तो मौत का
नाच हो रहा है।
अब क्या करूं?
सरदार नजाने
कहां है?

अचानक बाड़े में कैद लड़कियों ने चीरवना आरम्भ कर दिया। मशीन गन की आवाजें उन्होंने भी सुन ली थीं।



मैदान में बढ़ते मेजर ने चीरवती हुई लड़कियों का क्षीण स्वर सुना।

शाका जल्दी करो! मुझे उस ओर से लड़कियों के चीरवने की ध्वनि सुनाई दी है।

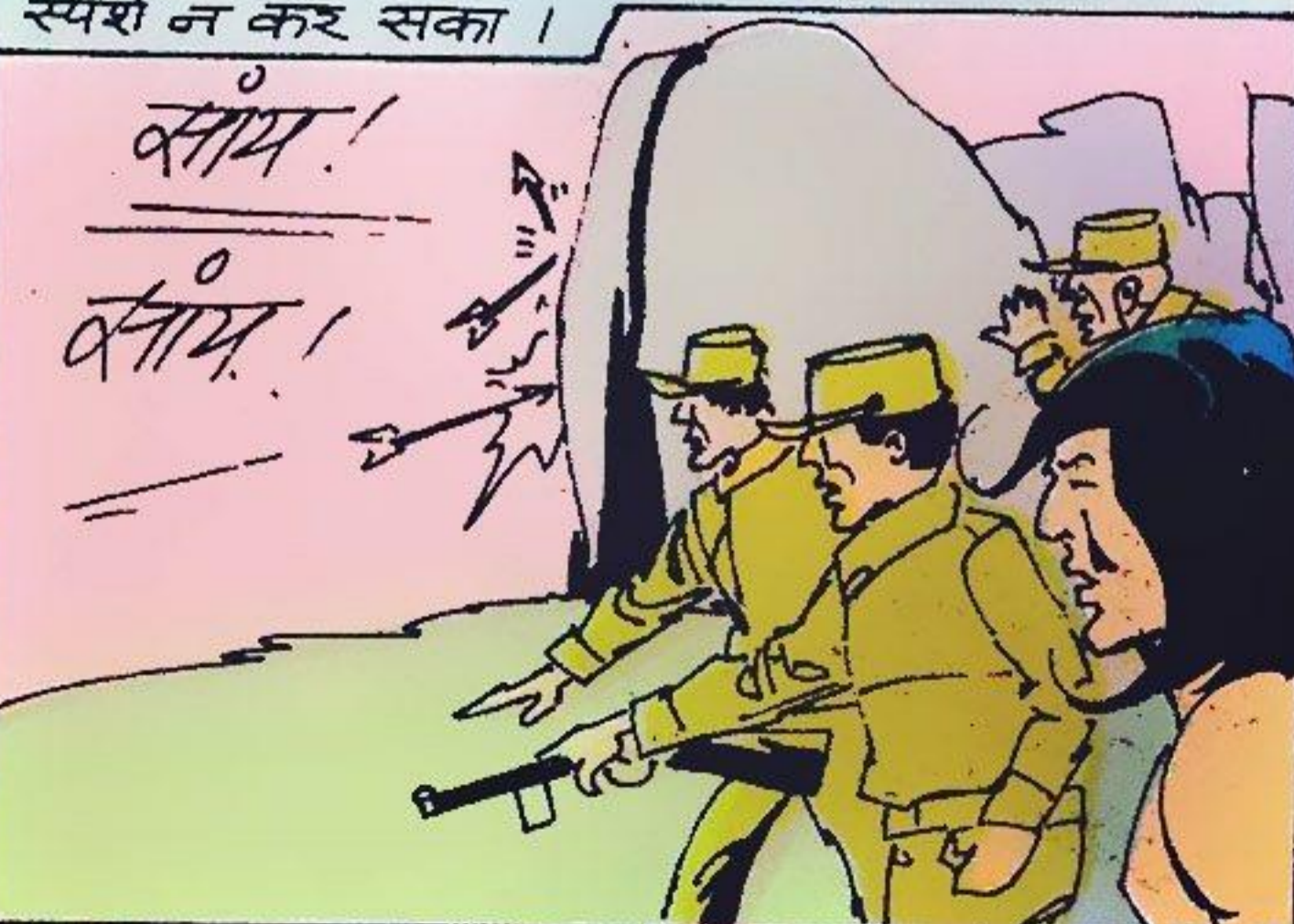


पांचों आदमी मेजर की बताई हुई दिशा की ओर चल दिये ...



... पर अग्निमानवों ने उन पर तीर बरसाने शुरू कर दिये।

पांचों ने बड़ी फुर्ती से रक शिला की ओर दौड़ लगाई, और पांचों सुरक्षित भागकर शिला के पीछे जा छुपे... अग्निमानवों के अनेक तीर बूटे, लेकिन कोई भी तीर उनके शरीर का स्पर्श न कर सका।



लड़कियों के चीरवने का स्वर मम्बाने भी सुना, वह फायरिंग से भयभीत होकर अपने स्थान की ओर छिपता हुआ बढ़ रहा था। उसके साथ कई काबरू भी थे।

इन लड़कियों के मुख जल्दी से बन्द कराओ, नहीं तो उन लोगों को इनकी उपस्थिति का पता लग जाएगा।



उधर शाका और पार्टी अभी शिला के पीछे सुरक्षित थे, लेकिन अब स्वयं मम्बा अपने आक्रमियों को प्रोत्साहित कर रहा था, फलतः चट्टानों का सहारा लेकर काबरू अन्य दिशाओं में फैलते जा रहे थे।



शाबाश वीरो !
अपने तीखे बाणों से
शत्रुओं को बेध डालो !
खबरदार ! रुक भी दुश्मन
जिन्दा न बचने पाए !

शिला के छिपे बैठे मेजर चिन्तित थे।

महाबली !
यूं बैठे-बैठे तो
हम घिर जायेंगे !
कोई उपाय
सोचो !



उपाय मैंने
सोच लिया है।

कौन सा
उपाय ?

आप-चारों ओर को
गोलियों की रुक बाढ़
दागिये... शत्रु पीछे की
ओर छिपेंगे, और इसी
बीच मैं और उड़ानो
दौड़कर सुरक्षित सी
पोजीशन ले लेंगे।



फिर मैं वहां
से फायरिंग चालू
कर दूंगा और आप
लोगों को सुरक्षित
निकलने का मौका
मिल जाएगा।



शाका की स्कीम के अनुसार ही काम हुआ -
फलस्वरूप पहले शाका और उड़ानो तथा
बाद में मेजर और उसके साथी उस जगह
के पास जा पहुंचे जहां से उन्होंने लड़कियों
के चीखने का स्वर सुना था।



दोनों काबरू अपने सरदार के आदेश का पालन कर लड़कियों को बेहोश कर अमी लौट ही रहे थे कि...

दुष्टो! अब शाका का कहर भुगतो।



... शाका ने उन्हें देख लिया और उनके ऊपर छलांग लगा दी।



शाका ने दोनों अग्नि मानवों की खोपड़ियां एक दूसरे से टकरा दी, और जंगल में प्रचलित एक भाषा में, जिसका थोड़ा बहुत ज्ञान हर जंगली जाति को था, बोला।

तुम्हारा सरदार कौन है, और कहां है?

चुराई गई लड़कियां कहां हैं?



म.. म.. मुझे.. नहीं मालूम!

और तुम... कौन हो, हमारी भाषा कैसे जानते हो?

शाका ने दोनों की गर्दनों पर थोड़ा दबाव और दिया।

में कोसिमा का शाका हूं.. अब या तो जल्दी से मेरे प्रश्न का उत्तर दो या ईश्वर को याद कर लो।

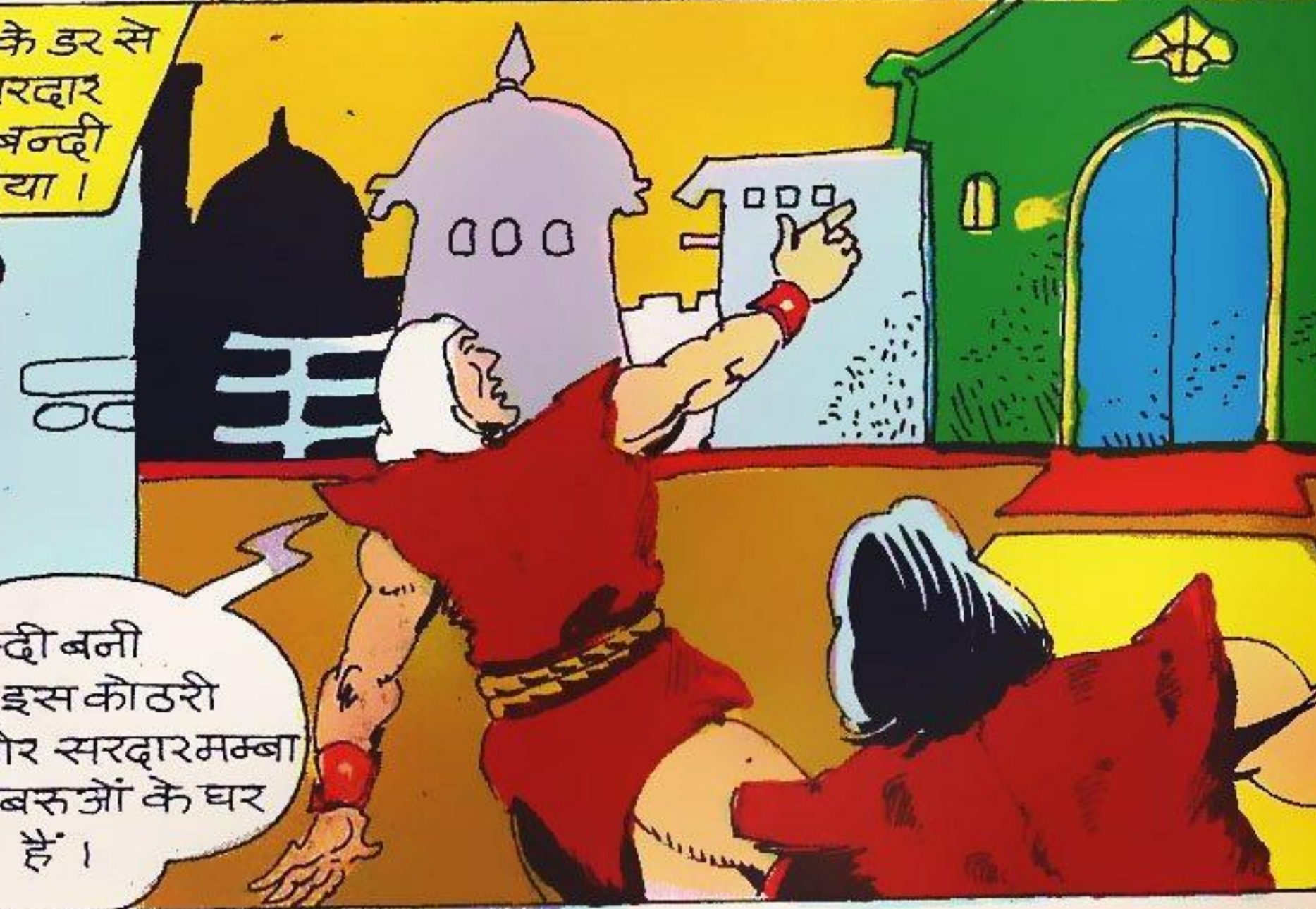


नहीं.. नहीं.. हमें मत मारो.. मैं सब बताता हूं।

दोनों अग्नि मानवों ने मौत के डर से जल्दी-जल्दी शाका को सरदार मम्बा, पुजारी बटांडो और बन्दी लड़कियों के बारे में बता दिया।



बन्दी बनी औरतें इस कोठरी में हैं, और सरदार मम्बा और काबरुओं के घर वहां हैं।



शीघ्र ही शाका और उडालो उस कोठरी में जा पहुंचे— लड़कियां अभी भी अचेत थीं, लेकिन आदिवासियों की दो लड़कियों को होश आ चुका था, अब बारी उडालो की थी।

आदिवासियों की ये लड़कियां मेरी भाषा समझती हैं, मैं पूछता हूं इनसे कि इस बीच इन पर क्या गुजरी?



उडालो जमीन पर बैठ गया, और बड़े विनम्र स्वर में आदिवासी लड़कियों से पूछताछ करने लगा—

तुम अब सुरक्षित हो बेटी, बताओ तुम संख्या में कितनी हो?

हमारी जाति की तीन लड़कियां हैं।



तीन? किन्तु मुझे तो यहां सिर्फ दो ही दिख रही हैं।

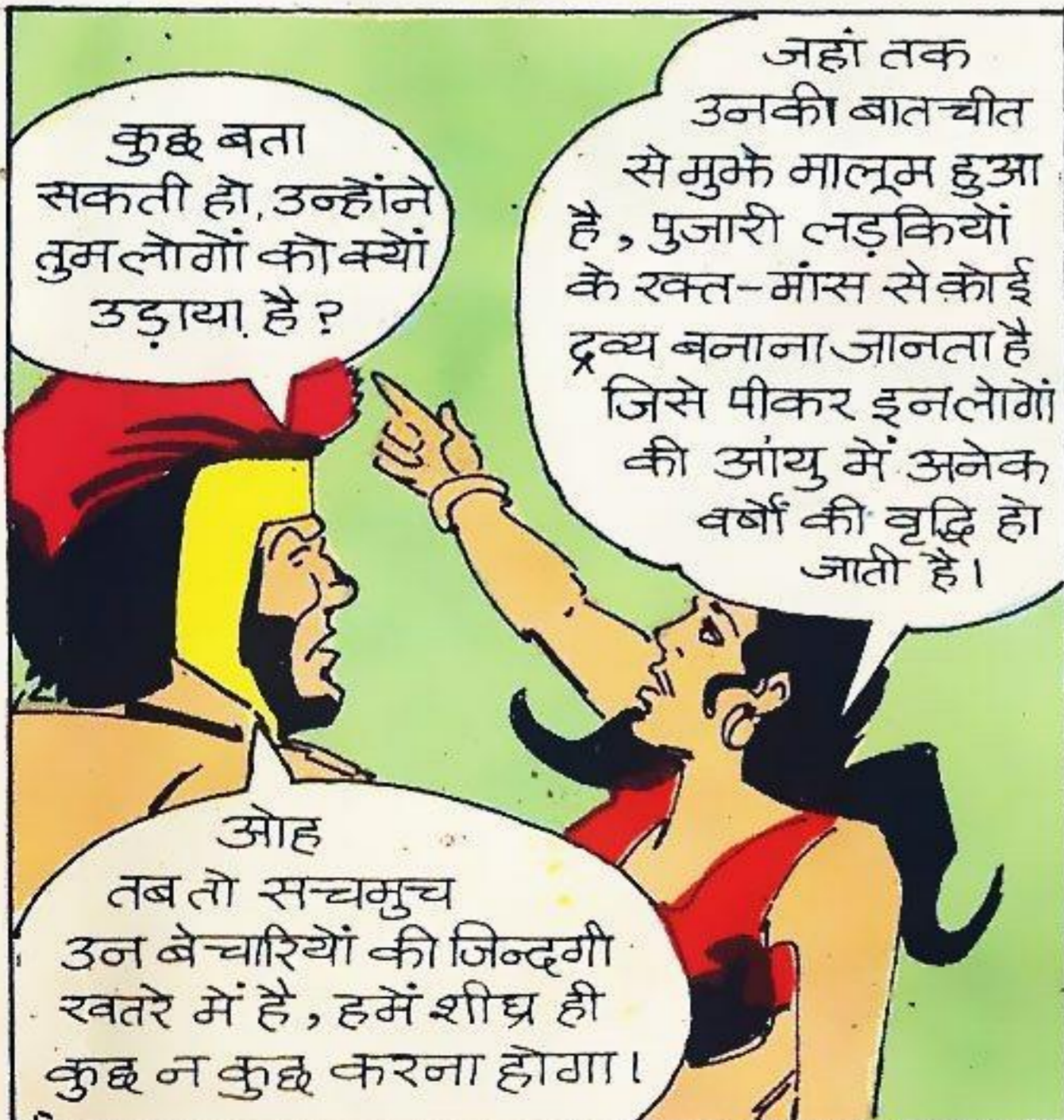
आप लोगों के यहां पहुंचने से पूर्व ही पुजारी, हमारी एक साथिन को बेहोश करके ले गया है। अब तक शायद उसने उसे मार भी डाला हो।



कुछ बता सकती हो, उन्होंने तुम लोगों को क्यों उड़ाया है?

जहां तक उनकी बातचीत से मुझे मालूम हुआ है, पुजारी लड़कियों के रक्त-मांस से कोई द्रव्य बनाना जानता है जिसे पीकर इन लोगों की आयु में अनेक वर्षों की वृद्धि हो जाती है।

ओह तब तो सचमुच उन बेचारियों की जिन्दगी खतरे में है, हमें शीघ्र ही कुछ न कुछ करना होगा।



उडालो ने लड़कियों से हुई बातचीत का ब्यौरा मेजर और साथियों को बताया।

ओह! ये लोग तो सचमुच बहुत भयंकर जीव हैं, ... अच्छा हुआ, हम सही समय पर यहां पहुंच गए. नहीं तो ये अब तक मार दी जातीं।

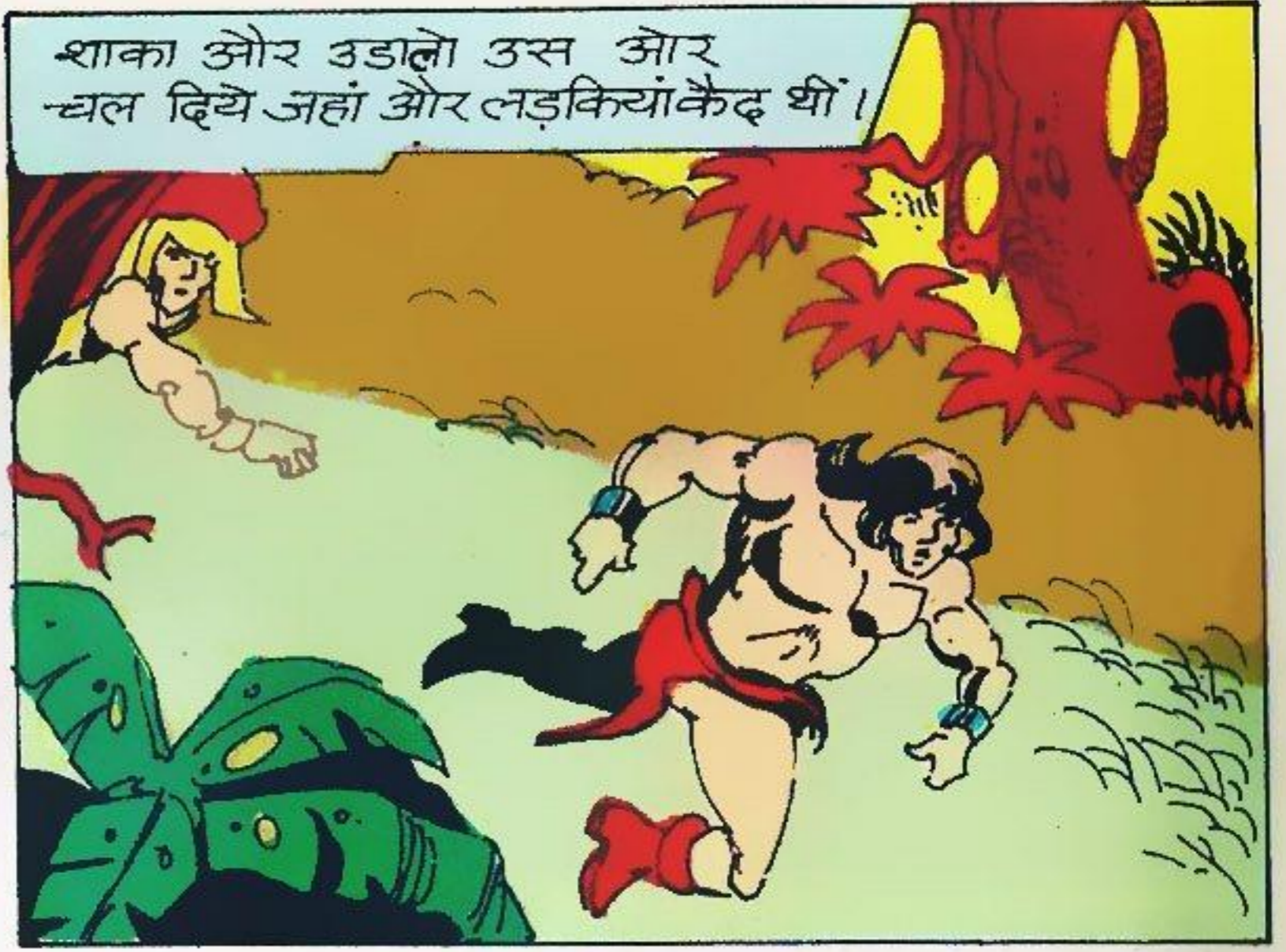
यकीनन, ये मौत के मुंह में जाते-जाते बची हैं।



लेकिन
एक बेचारी अभी
भी मौत के मुंह में है।
आओ, हम सब उसे
छुड़ाने का प्रयत्न
करें।



शाका और उड़ाने उस और
चल दिये जहां और लड़कियां कैद थीं।



वह एक बहुत बड़ा हालनुमा कमरा था। पुजारी
किसी लाल रंग के द्रव्य (आसव) को एक
बर्तन में पलट रहा था। समीप ही एक
आदिवासी लड़की का अस्थि-पंजर पड़ा
हुआ था - जिस समय शाका ने कमरे में
प्रवेश किया, मम्बा अधीर स्वर में
बटांडो से कह रहा था।

ओफ़ो ! अभी
और कितना समय
लगाओगे बटांडो?
जल्दी करो, स्थिति
नाजुक है।



द्रव्य तैयार
हो चुका है, पहले
तुम पियो बाद में
मैं पियूंगा।

लेकिन तमी शाका गरजा-

और
तुम सबसे
पहले मैं तुम
लौगों कारखून
पियंगा !



शाका ने एक लात मम्बा को जमा दी ।



मम्बा जलते हुए
अलाव में जा गिरा ।



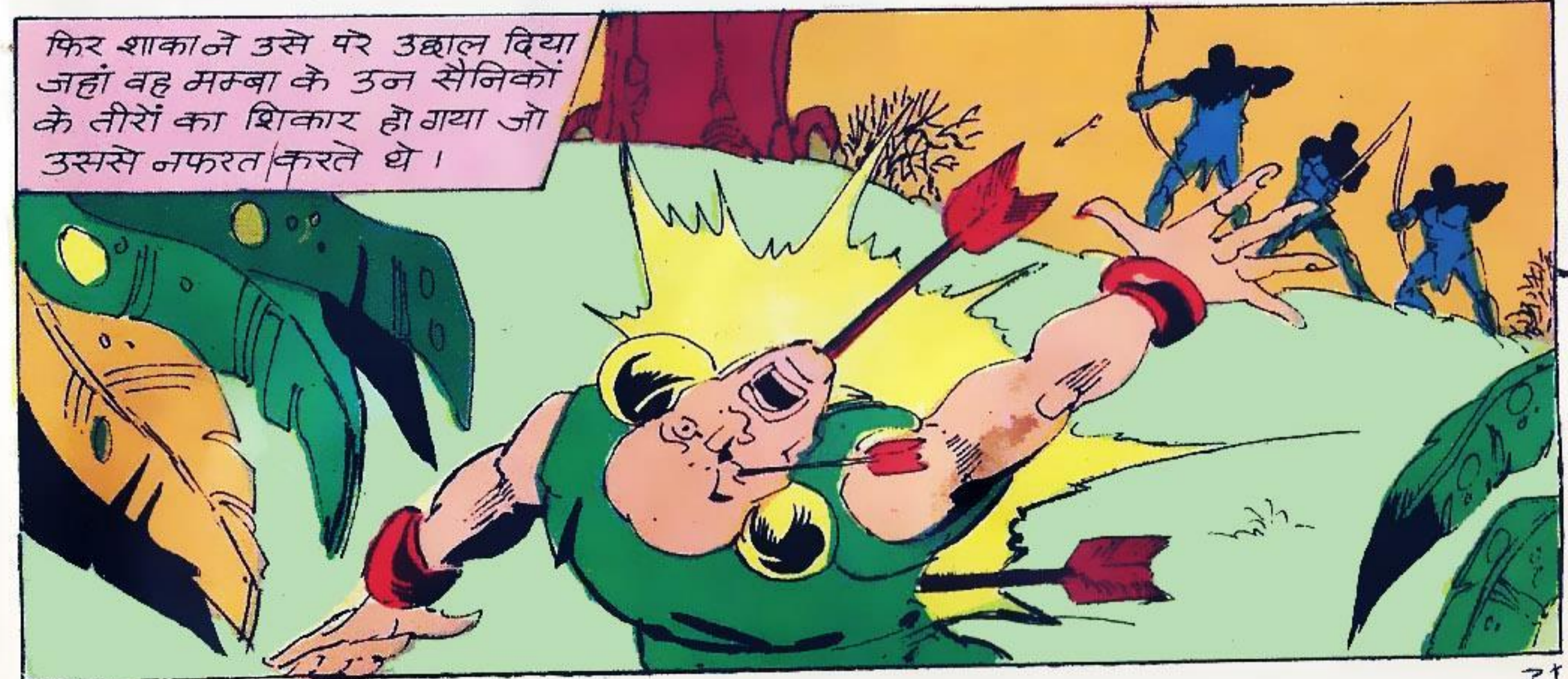
मेरी
बातों का उत्तर
दे बटांडो ! ये
सब कैसे और
क्यों होता था ?

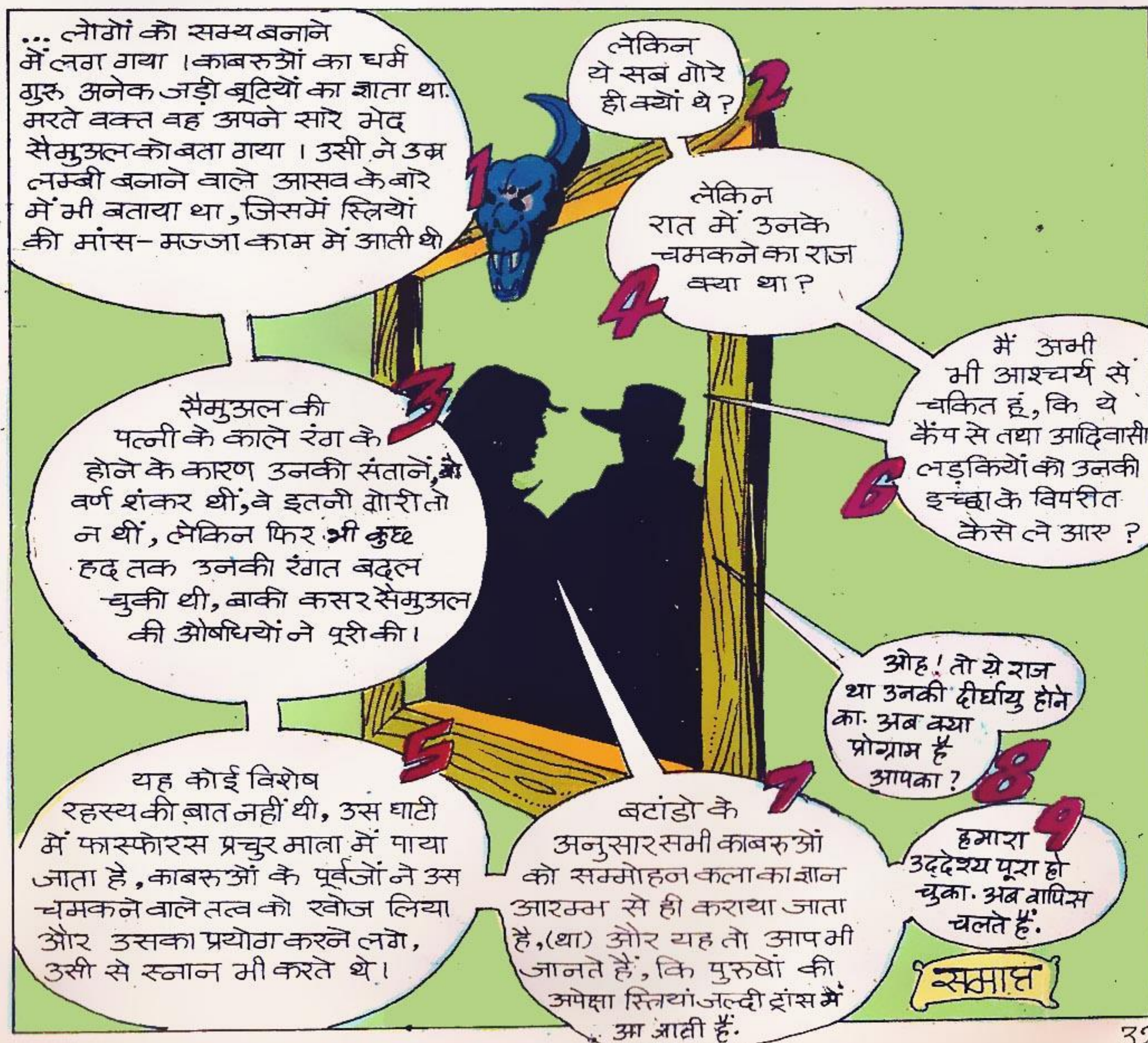
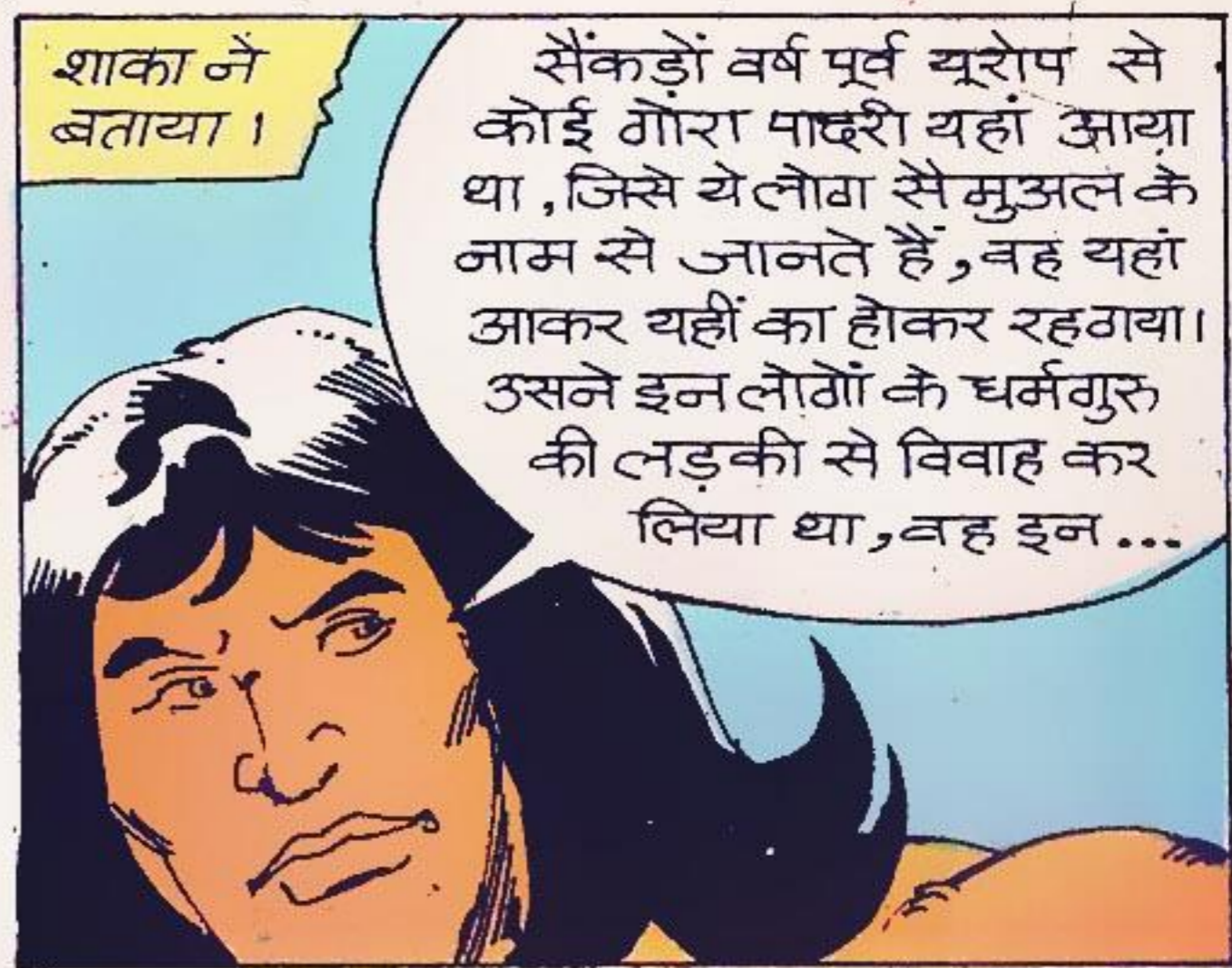
मुझे मत
मारो. मैं
सब-कुछ
बताता हूँ।



और बटांडो बताता रहा !

फिर शाका ने उसे परे उछाल दिया
जहां वह मम्बा के उन सैनिकों
के तीरों का शिकार हो गया जो
उससे नफरत करते थे ।





... लोगों को सम्य बनाने में लगा गया। काबरुओं का धर्म गुरु अनेक जड़ी बूटियों का ज्ञाता था। मरते वक्त वह अपने सारे भेद सैमुअल को बता गया। उसी ने उम्र लम्बी बनाने वाले आसव के बारे में भी बताया था, जिसमें स्त्रियों की मांस-मज्जा काम में आती थी

लेकिन ये सब गोरे ही क्यों थे?

लेकिन रात में उनके चमकने का राज क्या था?

मैं अभी भी आश्चर्य से चकित हूँ, कि ये कैम्प से तथा आदिवासी लड़कियों को उनकी इच्छा के विपरीत कैसे ले आए?

सैमुअल की पत्नी के काले रंग के होने के कारण उनकी संतानें, जो वर्ण शंकर थीं, वे इतनी गोरी तो न थीं, लेकिन फिर भी कुछ हद तक उनकी रंगत बदल चुकी थी, बाकी कसर सैमुअल की औषधियों ने पूरी की।

ओह! तो ये राज था उनकी दीर्घायु होने का. अब क्या प्रोग्राम है आपका?

यह कोई विशेष रहस्य की बात नहीं थी, उस घाटी में फास्फोरस प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, काबरुओं के पूर्वजों ने उस चमकने वाले तत्व को खोज लिया और उसका प्रयोग करने लगे, उसी से स्नान भी करते थे।

बटांडो के अनुसार सभी काबरुओं को सम्मोहन कला का ज्ञान आरम्भ से ही कराया जाता है, (था) और यह तो आप भी जानते हैं, कि पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियां जल्दी द्रंस में आ जाती हैं.

हमारा उद्देश्य पूरा हो चुका. अब वापिस चलते हैं.

समाप्त

आइवर यूशिएल की 'शानदार' पेशकश



उलझनों से भरा संसार,
जो सुलझा ले वह है होशियार

उलझनों का दूसरा नाम है जीवन!

....और इस जीवन में सफलता उसी को मिलती है जिसकी बुद्धि तेज होती है, मस्तिष्क विकसित होता है और जो सही समय पर सही निर्णय लेकर उलझनों को सुलझाने की योग्यता रखता है।

पाठ्य-पुस्तकें रटकर परीक्षाएं पास की जा सकती हैं पर इस तरह जीवन में सफलता की गारण्टी नहीं मिलती।

सफल जीवन के लिये जरूरी है मस्तिष्क को विकसित, और बुद्धि को पैना करने की नियमित कोशिश जिसमें तुम्हारी सहायता के लिये—

डायमण्ड पब्लिकेशन्स प्रस्तुत करते हैं—

दिलचस्प और उपयोगी सामग्री से लबालब भरी अपनी तरह की एकदम अनोखी व अनूठी

दिमागी कसरत

पज़ल पैक

**डायमण्ड
ज्ञान-मनोरंजन
सीरीज**

इसकी 64-64 पृष्ठों वाली चार पुस्तकें अपने आप में क्या-क्या समेटे हैं, यह स्वयं देखोगे तभी जानोगे, हम क्या-क्या बतायें!

तो आज ही पहुंचो अपने पुस्तक विक्रेता के यहां।

मूल्य प्रत्येक : 5.00 रुपये

आइवर यूशियल की अन्य पुस्तकें

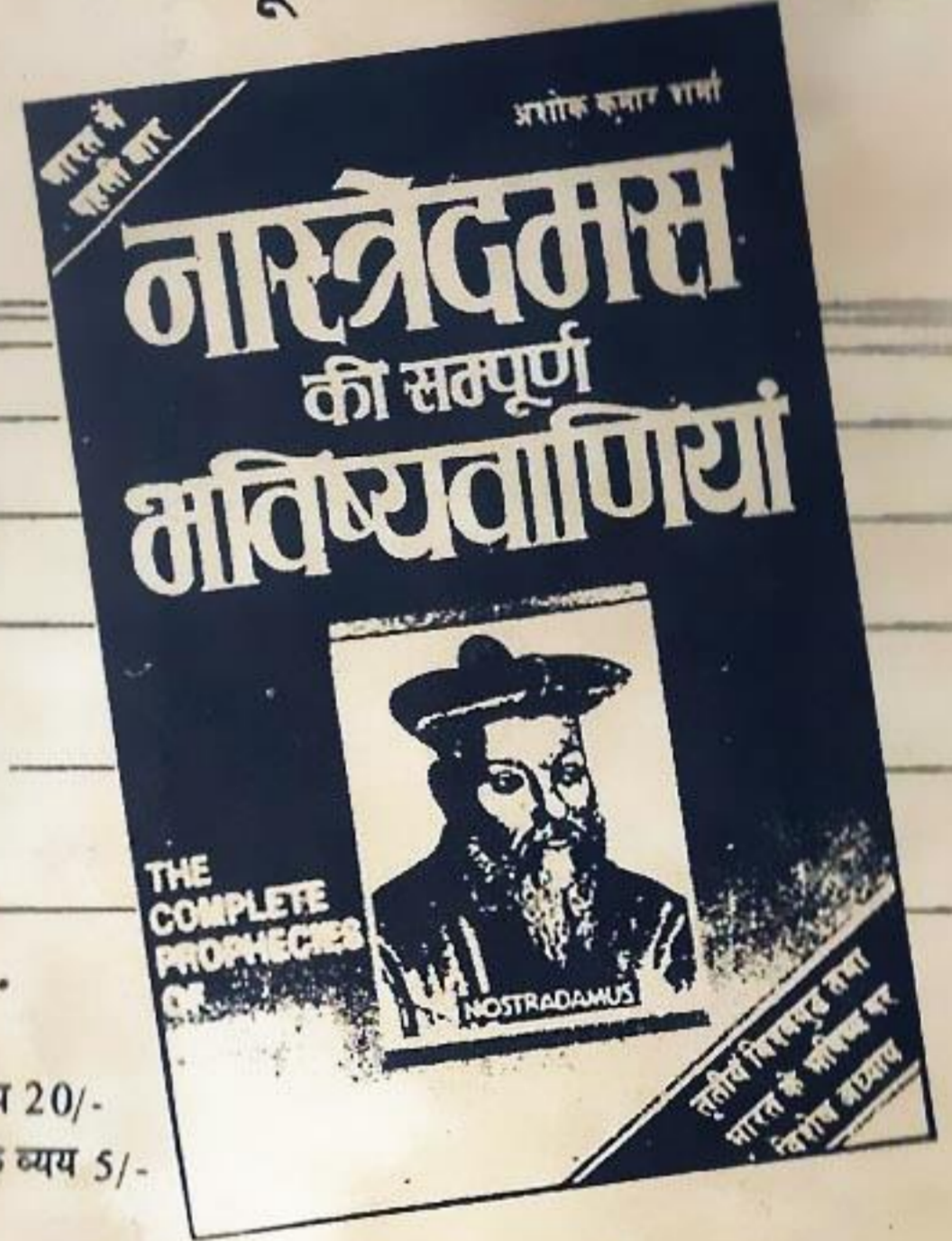
पज़ल पैक सेट नं. 1 (1-4)	20.00
पज़ल पैक सेट नं. 2 (5-8)	20.00
पज़ल पैक सेट नं. 3 प्रेस में	20.00
रोचक प्रश्न	8.00
रोचक खेल	8.00
रोचक खिलौने	8.00
रोचक विज्ञान	8.00
रोचक जादू	8.00
रोचक तथ्य	8.00
रोचक गणित	8.00

RAJESH

**मुफ्त
उपहार**

ऐसे 10 कूपन काट कर
भेजें और एक अनूपम
उपहार प्राप्त करें
अपना पूरा पता साफ-साफ लिखें

**नास्ट्रेदमस
की सम्पूर्ण भविष्यवाणियाँ**



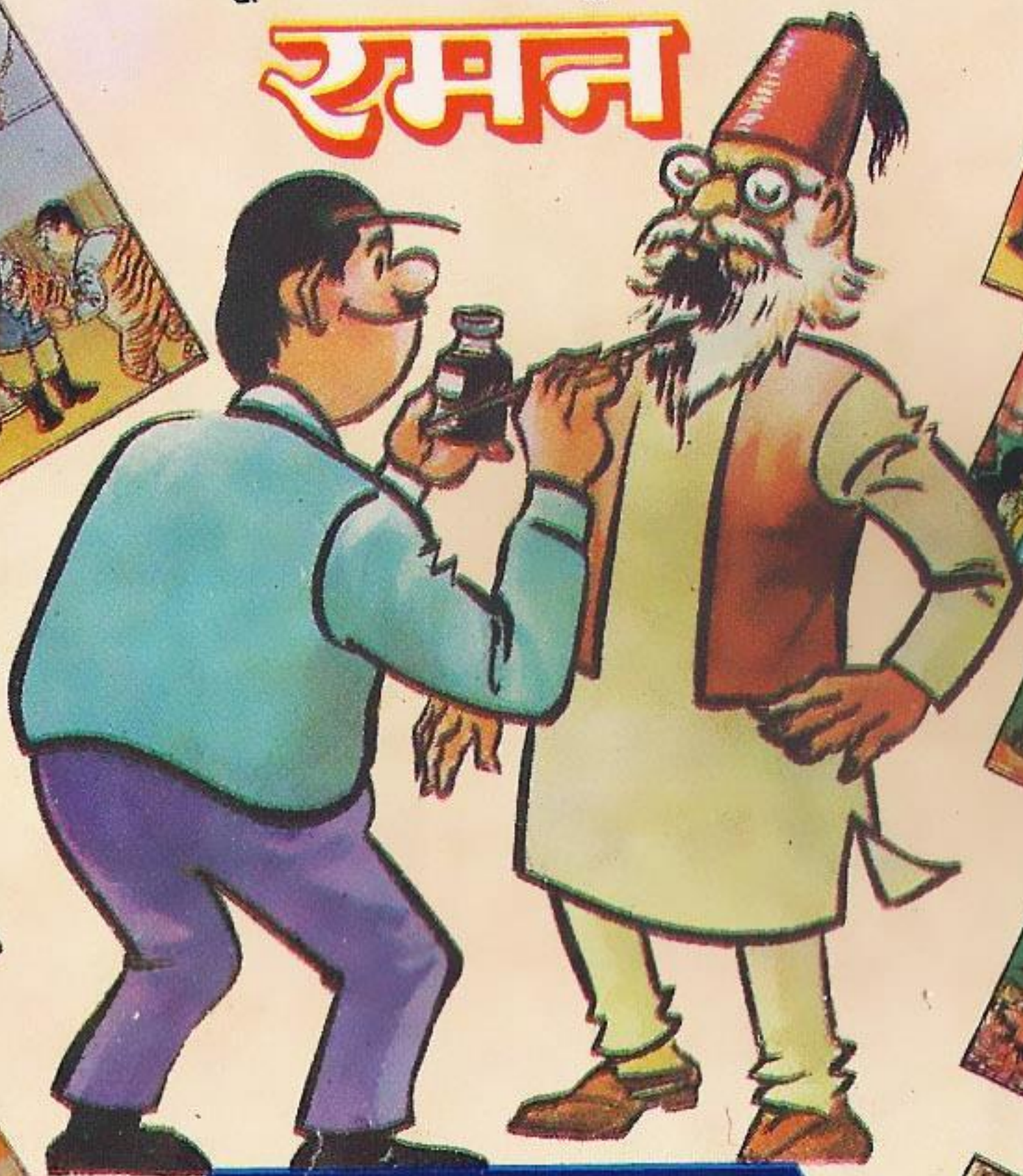
भारत की किसी भी भाषा में सर्वप्रथम प्रकाशित
विश्वविख्यात भविष्यदृष्टा नास्ट्रेदमस की समूची भविष्यवाणियाँ।

- भारत की नही एशिया के अन्य देशों में भी 1993 तक झूकम्प आते रहेंगे क्यों...?
- तीसरा विश्व युद्ध कहाँ से शुरू होगा? कब होगा? कैसे तथा कहाँ खत्म होगा?
- क्या एशिया के निचले हिस्से के देश समुद्र में डूब जाएंगे? कैसे और कब?
- सोवियत रूस में एक और क्रांति
- अमरीका की आणविक युद्ध में तबाही
- भारत का आश्चर्यजनक भविष्य
- पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी तथा उनके बेटे राजीव गांधी की हत्या की भविष्यवाणी
- अगला विश्वनेता कौन होगा? कहाँ होगा?
- संसार के प्रमुख देशों में तबाही
- इंग्लैंड समुद्र में डूबेगा?
- अरब-चीन गठबन्धन से विश्वशांति को चूनीती
- एड्स रोग और फैलेगा तथा उसका इलाज ढूँढा जाएगा। मगर कैसे?
- मध्यपूर्व की राजनीति का क्या अंजाम होगा?
- पृथ्वी का अंत कैसे होगा?

डायमण्ड कामिक्स प्रा. लि. 2715, दरियागंज नई दिल्ली- 110002

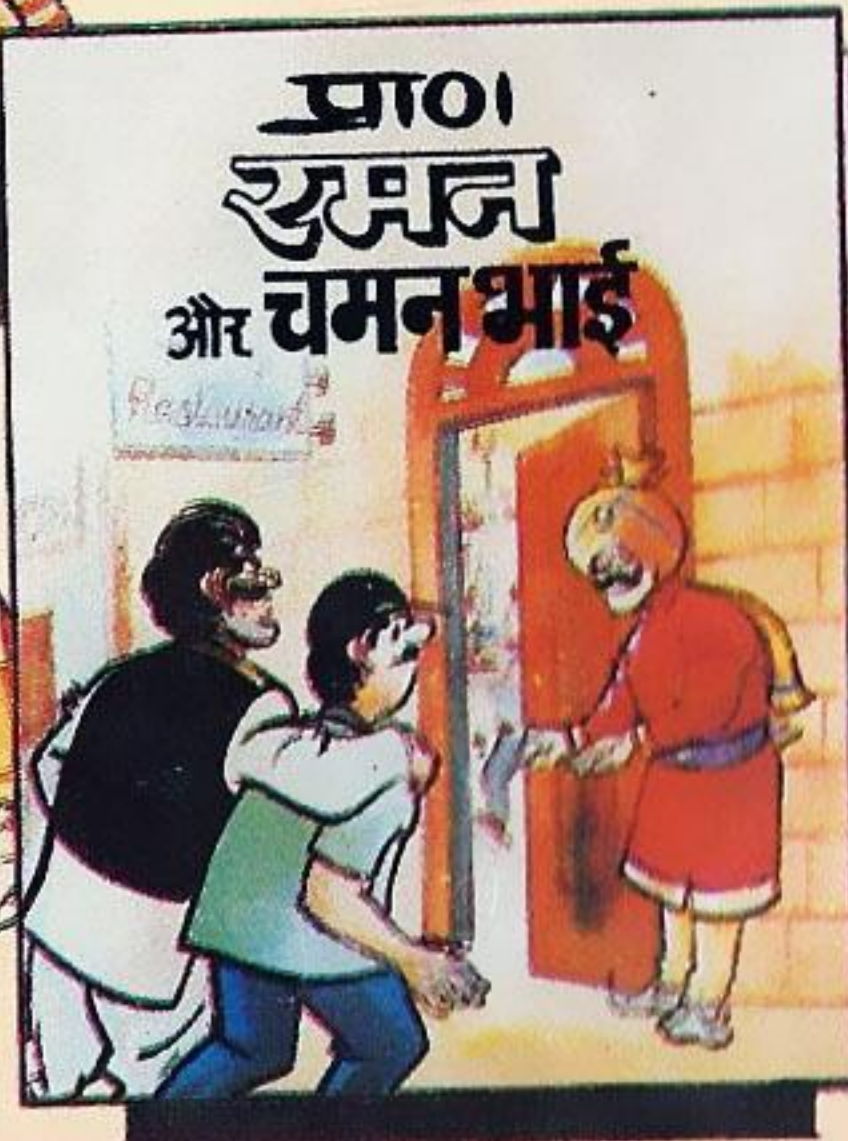
मध्यमवर्गीय क्लर्क की समस्याओं से जूझता
कार्टूनिस्ट प्राण का अनूठा चरित्र

रामन



डायमण्ड कॉमिक्स में

सैकड़ों ठहाकों से भरपूर
रामन
का नया कॉमिक्स



Presented by [@sdch_club](#)

Join us on telegram

t.me/comics_hindi

t.me/raj_comics_unofficial

t.me/tvseries_4u

t.me/video_short

t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU

t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkd8puJ1QKrw